RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 29 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्त्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 12 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

किसानों को मिलेगी राहत : सरकार ने दी 28 नए धान खरीदी केन्द्रों को मंजूरी, अब 2525 जगहों पर खरीदा जाएगा धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार ने धान खरीदी के लिए 28 नये केंद्र खोलने की अनुमति जारी कर दी है। इन केंद्रों पर धान खरीदी की सभी आवश्यक सुविधाएं कर संचालन शुरू करने को कहा गया है। ये नये केंद्र 16 जिलों में खोले जाएंगे। अभी तक प्रदेश भर में दो हजार 497 केंद्रों पर धान की खरीदी की जा रही थी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के बाद जारी हुई नई धान खरीदी केन्द्रों की सूची

यहां शुरू होंगे नई धान खरीदी केंद्र

राज्य सरकार द्वारा जारी नए धान खरीदी केंद्रों की सूची के अनुसार छुई खदान के विरूटोला व गोपालपुर, धमधा ब्लाक के करेली, धरमजयगढ़ के हाटी, खरसिया के बिंजकोट, बस्तर के मांधलापाल, बगीचा के रेंगल, कुनकुरी के बासनताला, पत्थलगांव के पगसुआ, कोरबा के तानाखार व बाइदा, महासमुंद के सलीहाभाटा, लोहारकोटा व बीके बाहरा, मोहला के एकटकन्हार, बलोदा बाजार के सलीहा घाट, सिमगा के मर्राकोना, मोहतरा, बलरामपुर के बादा, कोंडागांव के मानगांव व सरगीपाली, तखतपुर के लमेर, भरतपुर के रांपा, मुंगेली घोरपुरा, धमतरी के भटगांव, जांजगीर-चांपा के भूईगांव व सोनसुरी व गरियाबंद के घूमर गुड़ा में धान खरीदी के नए केंद्र शुरू किए जाएंगे।

बता दें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश में धान खरीदी का महाभियान के दूसरे सप्ताह तक किसानों से समर्थन मूल्य पर 3 लाख 23 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। धान के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 653.77 करोड़ रुपये का भुगतान जारी कर दिया गया है। अब तक 1 लाख 5 हजार किसानों ने धान बेचा है। सभी केन्द्रों में खरीदी का क्रम तेजी से जारी है।

खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि 11 नवम्बर को 22 हजार 333 किसानों से 71 हजार 712 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। इसके लिए किसानों को 29 हजार 375 टोकन जारी किए गए थे। इनमें टोकन तुंहर हाथ एप्प के द्वारा 3077 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए राज्य में धान उपार्जन के लिए 27 हजार 353 टोकन तथा तुंहर हाथ एप के जरिये 3,667 टोकन जारी किए गए हैं। राज्य में धान खरीदी निर्बाध रूप से जारी है। अधिकारी धान की व्यवस्था पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। धान खरीदी को लेकर कहीं से किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है।

राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 110 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 1.86 लाख नये किसान है। राज्य में धान खरीदी के लिए 2497 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों में 28 नए धान खरीदी केन्द्र खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है।

खाद्य सचिव वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव प्रारम्भ हो गया है। अब तक 84 हजार 304 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किए गए हैं। जिसके एवज में उपार्जन केंद्रों से 22 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है।

खास खबर...

मुख्यमंत्री बघेल ने डोंगरगांव पहुंचे, मंदिर में पूजा कर की भेंट-मुलाकात की शुरूआत

डोंगरगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के लाल बहादुर नगर में पहुंचकर यहां प्राचीन हनुमान मंदिर और साईं मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। यह मंदिर 100 साल पुराना है और लोगों की आस्था का केंद्र है। ग्रामीणों ने बताया कि 100 साल से अधिक प्राचीन मंदिर है। प्राचीन हनुमान मंदिर में मनोकामना और सिद्धि के लिए पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में प्राचीन हनुमान मंदिर की विशेष आस्था और लोगों की श्रद्धा है। मुख्यमंत्री ने यहां श्री साईं मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

पेड़ पर लटकती मिली प्रेमी जोड़े की लाश, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। रायगढ़ जिले के लैलूंगा में एक प्रेमी जोड़े की लाश एक साथ पेड़ पर लटकती मिली है। लाश काफी पुराना बताया जा रहा है। दोनों की लाश सड़ गई है। जानकारी के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला लैंलूंगा थान क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों युवक-युवती नवापारा वार्ड क्रमांक 2 के रहने वाले है। दोनों की लाश पेड़ पर लटकती मिली है। लाश 8 से 10 दिन पुराना बताया जा रहा है। युवक-युवती की पहचान हो गई है। दोनों युवक-युवती एक दूसरे से प्रेम करते थे। कुछ दिन पहले घरवाले के डर से भाग गए थे। आज उनकी लाश वार्ड 01 के जंगल में मिली है। मौके पर लैलूंगा पुलिस पहुँच कर जांच कर रही है। एसडीओपी दीपक मिश्र ने इसकी पुष्टि की है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन युवकों की मौत, आधी रात को तीनों लौट रहे थे घर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन युवकों की मौत हो गई। यह भयंकर सड़क दुर्घटना शुक्रवार देर रात कवर्धा-राजनांदगांव स्टेट हाईवे की है। रात करीब 12 बजे लोहारा रोड मॉल के ठीक आगे दो बाइक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई, जिसमें 3 युवकों की जान चली गई। घटना की सूचना जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली वे अपने बेटों की शव देखकर बिलख उठे। शनिवार को पीएम के बाद तीनों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। दुर्घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

तेज रफ्तार ने ली तीनों की जान

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम खैरबना कला का रहने वाला पुनीत साहू (22 वर्ष) बाइक से अकेले कवर्धा से लोहारा की ओर जा रहा था। इधर तरुण यादव (23 वर्ष) अपने

साथी अजय यादव (24 वर्ष) के साथ एक ही बाइक पर लोहारा से कवर्धा की ओर आ रहे थे। इसी बीच सुमित मॉल के ठीक आगे दोनों तेज रफ्तार बाइक आमने-सामने टकरा गईं। दोनों बाइक की टक्कर होते ही तीनों युवक जमीन पर घिर गए। तीनों इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, दो युवकों की अस्पताल पहुंचने से पहले मौके पर मौत हो गई। वहीं एक युवक को पुलिस ने जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां कुछ मिनटों के बाद उसकी भी मौत हो गई।

गुजरात चुनाव : कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र, नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलेंगे, देंगे 10 लाख नौकरियां

अहमदाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुजरात चुनाव को लेकर अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में गुजरात चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र 'जन घोषणा पत्र 2022' जारी किया। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में युवा, महिला, किसान, सबके लिए लोकलुभावन वादे किए हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से जारी किए गए घोषणा पत्र में हर गुजराती के लिए 10 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज और मुफ्त दवाई के साथ ही 300 यूनिट मुफ्त बिजली, बकाया बिजली बिल माफ करने का वादा किया गया है। साथ ही सत्ता में आने पर नरेन्द मोदी स्टेडियम का नाम बदलकर फिर से सरदार पटेल स्टेडियम करने का वादा भी किया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया के बीच राजनीतिक दलों में मतदाताओं को अपने-अपने पाले में करने की जद्दोजहद तेज होती नजर आ रही है। नेता लोकलुभावन वादे कर रहे हैं, जनता की समस्याओं के समाधान के आश्वासन दिए जा रहे हैं तो वहीं अब कांग्रेस ने अपना चुनाव घोषणा पत्र भी जारी कर दिया है। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलकर फिर से सरदार पटेल स्टेडियम करने का वादा किया है। पार्टी की ओर से ये भी कहा गया है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो पहली कैबिनेट मीटिंग से ही इसे सरकार का आधिकारिक दस्तावेज बनाकर काम किया जाएगा।

कांग्रेस ने सत्ता में आने पर 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का करते हुए कहा है कि इनमें महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। कांग्रेस पार्टी की ओर से जारी जन घोषणा पत्र में सरकारी नौकरियों में कॉन्ट्रैक्ट और आउटसोर्सिंग की व्यवस्था खत्म करने, बेरोजगारों को 3000 रुपए महीने बेरोजगारी भत्ता देने का भी वादा किया है।

गुजरात की सत्ता से 27 साल से बाहर चल रही कांग्रेस ने दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपए प्रति लीटर सब्सिडी और 500 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का वादा किया है। कांग्रेस ने लड़कियों के लिए केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का वादा भी किया है। साथ ही गुजरात में 3000 अंग्रेजी माध्यम के सरकारी स्कूल खोले जाने की घोषणा भी की है।

संपादकीय

उदारता से न्याय

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में शामिल छह अपराधियों को तीस साल से ज्यादा जेल में रखने के बाद अंततः रिहा कर दिया गया है। रिहाई की कवायद लंबे समय से चल रही थी, क्योंकि तमिल राजनीति में भी रिहाई के पक्ष में कमोबेश माहौल लगातार बना हुआ था। अपराधी भी वर्षों से सजा भुगतने के बाद लगातार माफी मांगते आ रहे थे। खास बात यह है कि इन अपराधियों ने जेल में अपनी जिंदगी को बिगड़ने नहीं दिया, बल्कि सकारात्मक रूप से अपने विकास में लगे रहे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी उनसे मिले थे, माफी के पक्ष में अपनी भावना प्रकट की थी। जघन्य अपराध के बावजूद अनुकूलता ऐसे बनी कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी उम्रकैद की सजा काट रहे नलिनी श्रीहरन और आर पी रविचंद्रन समेत छह दोषियों को रिहा करने का आदेश सुना दिया। तमिलनाडु सरकार ने भी अपनी ओर से कोई देरी नहीं की। बड़ी राहत मिलने के बाद जेल से बाहर आते ही नलिनी श्रीहरन ने कहा, मैं जानती हूं, मैं आतंकवादी नहीं हूं। इस रिहाई के बाद लोगों की पुरानी यादें ताजा हो आईं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरुंबदूर में एक चुनावी सभा के दौरान हत्या कर दी गई थी। लोकप्रिय प्रधानमंत्री रह चुके राजीव गांधी की हत्या के लिए धनु नाम की आत्मघाती हमलावर का इस्तेमाल किया गया था। विस्फोट में राजीव गांधी समेत 15 लोगों की जान गई थी। उस घटना ने देश को रुला दिया था, लेकिन वक्त ऐसा मरहम है कि बहुत गहरे घावों को भी भर जाता है। इस हमले की जांच के बाद सात लोगों को दोषी पाया गया था। जिसमें एक पेरारिवलन को मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन मई महीने में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी रिहाई के आदेश दिए थे। इसके बाद बाकी दोषियों की रिहाई की बुनियाद मजबूत हुई थी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने स्पष्ट कर दिया कि एक साजायाफ्ता पेरारिवलन के मामले में किया गया फैसला बाकी दोषियों पर भी लागू होता है। संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत शक्ति का इस्तेमाल करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पूरी तरह से विधिसम्मत ही नहीं, बल्कि उदार न्याय व्यवस्था का एक नया अध्याय बन गया है। यह फैसला एक तरह से प्रयोग भी है। जो लोग अच्छे आचरण के आधार पर छूटे हैं, उन्हें आगे भी अपने आचरण को भारतीय कानून-व्यवस्था के अनुरूप रखना होगा। यह भारतीय व्यवस्था की उदारता है कि बहुत जघन्य अपराध में शामिल दोषियों को भी रिहा कर दिया गया है। बाकी देशों में भी लोग भारत में हुए इस फैसले पर गौर करेंगे। आमतौर पर जहां ऐसे जघन्य अपराध होते हैं, वहां दोषियों को आजीवन जेल से बाहर नहीं आने दिया जाता है। बहरहाल, यह भी गौर किया गया होगा कि तमिल आतंकी संगठन लिट्टे भी अपनी जमीन से उखड़ चुका है। लिट्टे अगर आज सक्रिय रहता, तो शायद भारत में यह रिहाई मुमकिन नहीं होती। लिट्टे निरपराध लोगों का खून नहीं बहा रहा है, इसलिए नलिनी इत्यादि के प्रति सहानुभूति को जगह मिल गई है। हालांकि, अदालतों को सावधान रहना होगा कि यह फैसला अपवाद ही रहे, नजीर न बन जाए। किसी भी पूर्व अपराधी को जेल से छोड़ते समय यह आश्वासन सोलह आना जरूरी है कि अपराध को फिर दोहराया नहीं जाएगा और न समाज के लिए संकट पैदा किया जाएगा। न्याय उदारता से हो, पर उदारता का कभी दुरुपयोग न हो।

“ न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने स्पष्ट कर दिया कि एक साजायाफ्ता पेरारिवलन के मामले में किया गया फैसला बाकी दोषियों पर भी लागू होता है। संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत शक्ति का इस्तेमाल करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पूरी तरह से विधिसम्मत ही नहीं, बल्कि उदार न्याय व्यवस्था का एक नया अध्याय बन गया है। यह फैसला एक तरह से प्रयोग भी है। जो लोग अच्छे आचरण के आधार पर छूटे हैं, उन्हें आगे भी अपने आचरण को भारतीय कानून-व्यवस्था के अनुरूप रखना होगा। यह भारतीय व्यवस्था की उदारता है कि बहुत जघन्य अपराध में शामिल दोषियों को भी रिहा कर दिया गया है।

सब के लिए एक-जैसा कानून कैसे ?

भाजपा राज्यों की सरकारें एक के बाद एक घोषणा कर रही हैं कि वे समान आचार संहिता अपने-अपने राज्यों में लागू करने वाली हैं। यह घोषणा उत्तराखंड, हिमाचल और गुजरात की सरकारों ने की हैं। अन्य राज्यों की भाजपा सरकारें भी ऐसी घोषणाएं कर सकती हैं लेकिन वहां अभी चुनाव नहीं हो रहे हैं। जहां-जहां चुनाव होते हैं, वहां-वहां इस तरह की घोषणाएं कर दी जाती हैं। क्यों कर दी जाती हैं? क्योंकि हिंदुओं के थोक वोट कबाड़ने में आसानी हो जाती है और मुसलमान औरतों को भी कहा जाता है कि तुम्हें डेढ़ हजार साल पुराने अरबी कानूनों से हम मुक्ति दिला देंगे। यह बात सुनने में तो बहुत अच्छी लगती है और इतनी तर्कसंगत भी लगती है कि कोई पार्टी या नेता इसका विरोध नहीं कर पाता। हाँ, कुछ कट्टर धर्मध्वजी लोग इसका विरोध जरूर करते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता है कि यह उनके धार्मिक कानून-कायदों का उल्लंघन है। यों भी संविधान सभा में सबके लिए समान कानून की धारणा को व्यापक समर्थन मिला था लेकिन क्या वजह है कि आजादी को आए 75 साल बीत रहे हैं और देश में हर तरह की सरकारें बन चुकी हैं, फिर भी किसी सरकार की आज तक हिम्मत नहीं हुई कि वह देश के सभी नागरिकों के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों में एक तरह का कानून बना सके?

संविधान की धारा 44 में कहा गया है कि राज्य की कोशिश होगी कि सारे देश के नागरिकों के लिए एक-जैसा कानून बने। इसके बावजूद सबके लिए एक-जैसा कानून इसलिए नहीं बना कि भारत विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, जातियों, कबीलों और परंपराओं का देश है। सारे हिंदू, सारे मुसलमान, सारे आदिवासी, सारे ईसाई भी शादी-विवाह और निजी संपत्ति के मामलों में अपनी-अपनी अलग-अलग परंपराओं को मानते हैं। जब एक तबके में ही एका नहीं है तो सब तबकों के लिए एक-जैसा कानून कैसे बन सकता है? जैसे आंध्र के हिंदुओं में मामा-भानजी के बीच शादी हो जाती है और जम्मू-कश्मीर के मुसलमानों पर शरीयत-कानून लागू नहीं होता। गोआ का अपना कानून है। वह सबके लिए एक जैसा है। हर सरकार दुविधा में पड़ी रहती है कि समान आचार संहिता लागू करें या न करें।

भाजपा के लिए तो यह बड़ा सिरदर्द है, क्योंकि यह उसका मूलभूत चुनावी मुद्दा रहा है। भाजपा सरकार ने 2016 में विधि आयोग से भी इस मुद्दे पर राय मांगी थी। लेकिन उसकी राय भी यही है कि बिल्कुल एक-जैसा कानून सब पर नहीं थोपा जा सकता है लेकिन कई निजी कानूनों में काफी सुधार किया जा सकता है ताकि लोगों को सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार मिल सके और भारत के लोग अपनी सांप्रदायिक परंपराओं के अत्याचारों से मुक्त हो सकें। भारत सरकार को चाहिए कि देश के विधिवेत्ताओं, धर्मध्वजियों और विभिन्न परंपराओं के प्रामाणिक प्रतिनिधियों का एक संयुक्त आयोग स्थापित करे और उससे कहे कि वह 2024 के पहले अपनी संपूर्ण रपट राष्ट्र के विचारार्थ प्रस्तुत करे।

“ **अब मैं कुछ उन महत्वपूर्ण उद्योगों पर आता हूं, जो देश में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि कर रहे हैं। देश में इस समय कागज की लुगदी के लगभग 179 यूनिट हैं।... एक भी यूनिट कुछ मानकों को बनाए रखने संबंधी सांविधिक उपबन्धों का पालन नहीं कर रहा है। यही स्थिति चमड़ा संबंधी कारखानों की है। मुझे चर्म प्रसंस्करण कारखानों की सही-सही संख्या का पता नहीं है, किन्तु इनमें से कोई भी तय उपबन्धों का पालन नहीं कर रहा है।**

न पैसा और न इंतजाम कैसे थमेगा प्रदूषण

दत्ता सामंत, वरिष्ठ राजनेता, सांसद

बोलने के लिए पिछले तीन दिन से प्रतीक्षा कर रहा हूं और मेरी बारी अब आई है। ...प्रदूषण एक ऐसा विषय है, जिसकी किसी को भी चिंता नहीं है, हालांकि, प्रदूषण रोकने के लिए कई विधेयक पारित किए जा चुके हैं। मेरे विचार से इस बारे में एक केंद्रीय कानून भी है। कुछ राज्य कानून भी हैं। इसके अलावा प्रदूषण निवारण के लिए एक बोर्ड भी है। ये सभी चीजें हैं, किन्तु अब आप कहते हैं कि ये काम नहीं कर रही हैं। इसीलिए आप इस सूची में एक और कानून शामिल कर रहे हैं। हालांकि, इतने अधिनियम हैं, किन्तु धन की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। ...हम कितनी ही चर्चाएं करते हैं, किन्तु मेरा विचार है कि अधिनियम में निहित उपबन्धों का एक छोटा सा अंश भी क्रियान्वित नहीं किया गया है।मेरे पास सही-सही आंकड़े हैं और में उन्हें उद्धृत करूंगा। वातावरण में प्रदूषण की मात्रा मापने के लिए आपके पास कितनी प्रयोगशालाएं हैं? मेरे विचार से 30 या 40 सरकारी मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से अधिक नहीं हैं। क्या आप इतनी कम प्रयोगशालाओं से काम चला सकते हैं? गैर-सकारी प्रयोगशालाओं की स्थिति क्या है, आपको इन सब बातों की ओर ध्यान देना होगा। दूसरे, क्या आप सभी उद्योगों को शामिल करने जा रहे हैं? ...इसके पश्चात मोटर वाहनों को लीजिए, जो अधिकतम प्रदूषण फैलाते हैं, जहां तक वायु प्रदूषण का संबंध है। महाराष्ट्र में ही लगभग 20 लाख वाहन हैं। अकेले बम्बई शहर में करीब 10 लाख वाहन हैं। दिल्ली में ही शहर की सड़कों पर 10.05 लाख वाहन चलते हैं। इन वाहनों द्वारा उत्पन्न प्रदूषण को मापने के लिए आपके पास क्या व्यवस्था है? क्या ऐसे कार्य के लिए आपके पास कोई तंत्र है? ऐसी चीजों पर कार्रवाई के बजाय हम अनावश्यक बहस कर सदन का वक्त बर्बाद कर रहे हैं।

अब मैं कुछ उन महत्वपूर्ण उद्योगों पर आता हूं, जो देश में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि कर रहे हैं। देश में इस समय कागज की लुगदी के लगभग 179 यूनिट हैं।... एक भी यूनिट कुछ मानकों को बनाए रखने संबंधी सांविधिक उपबन्धों का पालन नहीं कर रहा है। यही स्थिति चमड़ा संबंधी कारखानों की है। मुझे चर्म प्रसंस्करण कारखानों की सही-सही संख्या का पता नहीं है, किन्तु इनमें से कोई भी तय उपबन्धों का पालन नहीं कर रहा है। कुल 70 उर्वरक यूनिट है, जिनमें से केवल 19 यूनिट ही सांविधिक मानकों का पालन कर रहे हैं। गैर-सरकारी क्षेत्र में 729 कीटनाशक निर्माण यूनिट हैं और इनमें से कोई यूनिट सांविधिक उपबन्धों का पालन नहीं कर रहा है। 104 सीमेंट यूनिटों में से केवल 15 ही मानकों का पालन कर रहे हैं। यदि दो या तीन प्रतिशत बड़े उद्योगों को भी प्रदूषण रोकने की परवाह नहीं है, तो आप क्या कर सकते हैं?... स्वतंत्रता के 40 वर्ष बाद भी भारतवासी गन्दा पानी पी रहे हैं। जब तक आप इस बारे में कुछ करते नहीं, कुछ भी नहीं होगा।

मैंने जर्मनी और जापान में प्रदूषण की समस्याओं का अध्ययन किया है। मैं मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वह इन देशों का दौरा करें।... आप अन्य बड़े उद्योगों को भी इस प्रकार हिदायतें क्यों नहीं देते कि वह ऐसी व्यवस्था करें, जिससे प्रदूषण से बचा जा सके? मैं जर्मन लोगों की प्रशंसा करता हूं। उन्होंने कहा है कि वह यह सब पिछले 50 वर्षों से करते चले आ रहे हैं, इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि वह मेरे इस सुझाव को संयुक्त चयन समिति को भेज दें। अन्यथा खाली बहस से प्रदूषण को इन सभी समस्याओं पर काबू पाने में कोई मदद नहीं मिलेगी। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो नियोक्ता इस कानून का प्रयोग लोगों का शोषण करने के लिए करेंगे। ...मैं इसका सख्त विरोध करता हूं।... समूचे विधेयक में एक पैसे का भी प्रावधान नहीं किया गया है। ...देश में 8,50000 उद्योग हैं। ... सिर्फ दिल्ली में ही 10,50,000 वाहन वायु को प्रदूषित कर रहे हैं। आपकी क्या मशीनरी है? आप सैद्धांतिक स्तर पर इसकी चर्चा कर रहे हैं। मैं आपके साथ चर्चा करने के लिए तैयार हूं।

...यह एक सैद्धांतिक चर्चा है, जिसे सरकार बगैर कुछ ठोस किए कर रही है। आप जल प्रदूषण को रोक नहीं सकते। ...आपके पास कोई भी मशीनरी नहीं है। ...मैं एक डाक्टर हूं और मुझे प्रदूषण से होने वाले खतरों और कठिनाइयों का अच्छी तरह पता है। लोग धूल में काम करते हैं।... जब आप इसे लागू ही नहीं करते हैं, तो इस अधिनियम का क्या उपयोग है?

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

तो क्या कानून ताक पर रख दिए जाएं

जियाउर्रहमान अंसारी, तत्कालीन राज्यमंत्री

मैं बहस में नहीं पड़ना चाहता। तुलनात्मक दृष्टि से पर्यावरण प्रबन्ध एक नया विषय है। यह सही है कि हमारे पास धन की कमी है, यह भी सही है कि हमारे पास प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए हम एक क्रियाविधि, एक मशीनरी का विकास करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। यहां पर तीन चीजों का विकास करना होगा, एक उपयुक्त क्रियाविधि, दूसरा, उपयुक्त विधान या कानून। तीसरी बात यह है कि पर्यावरण समस्याओं के बारे में लोगों को जागृत करना और शिक्षा देना। पर्यावरण प्रबंध सिर्फ इसी देश के लिए एक नया विषय नहीं है, सारे विश्व के लिए नया है, क्योंकि तुलनात्मक दृष्टि से यह एक नया विषय है, जिस पर आजकल ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रकार, हम एक तरीके का विकास करने और इस देश को एक उपयुक्त विधान देने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि वातावरण अथवा वायु को प्रदूषित करने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर निवारक प्रभाव हो सके। ...हम अपनी कठिनाइयों से अवगत हैं। हमें इस बात की भी जानकारी है कि हमारे पास धन की कमी है, हमारे राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास धन की कमी है। हमें इस बात की भी जानकारी है कि हमारे पास प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी है। इस क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है। परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि हमें कुछ नहीं करना चाहिए। क्या मेरे माननीय मित्र डॉक्टर दत्ता सामंत का यही सुझाव है कि इन सभी कानूनों को ताक पर रख दिया जाए और इस देश का वातावरण और वायु प्रदूषित होता रहे?...

यह कोई नया कानून नहीं है। ...इस विधेयक का मुख्य लक्ष्य पुराने अधिनियम को और कठोर बनाना और हालात में सुधार करना और उन सभी कठिनाइयों को दूर करना है, जो मूल अधिनियमों के क्रियान्वयन में आती हैं। ...दिए गए अधिकार के बारे में मुद्दा उठाया गया है। यह वह अधिकार है, जो पर्यावरण संरक्षण अधिनियम में भी दिया गया है। हमने सोचा कि जब यह अधिकार पर्यावरण संरक्षण

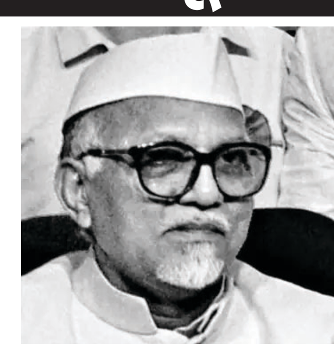

अधिनियम में दिया गया है, तो इसे वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम के अन्तर्गत भी दिया जाना चाहिए, ताकि यदि कोई व्यक्ति यह महसूस करता है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड चाहे वह राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हो अथवा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हो, प्रदूषण करने वाले उद्योगों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं कर रहा है, तो उसे शिकायत करने का अधिकार होना चाहिए, क्योंकि प्रदूषण से उसके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।...पर्यावरण संरक्षण अधिनियम में 60 दिन के नोटिस की व्यवस्था की गई है। एक विशेष उद्देश्य से ऐसा किया गया है। ...नागरिक के बजाय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का यह कर्तव्य बन जाता है कि न्यायालय में उस फेक्टरी के विरुद्ध मुकदमा दायर करे। ...प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निजी शिकायतकर्ता को सभी सम्बंधित सूचनाएं देने के लिए बाध्य होगा।

यह कहना आसान है कि प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की स्थापना को रोक दिया जाए, परन्तु इसे करना बहुत कठिन है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में ही प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण ताप विद्युत संयंत्र हैं। क्या आप दिल्ली में इन ताप विद्युत संयंत्रों को बंद करके बिना बिजली रहेंगे? कल ही इस सभा में ऊंची आवाज में यह कहा गया, हम बिना बिजली और पानी के रह रहे हैं। वैसे यह रोग कोई एक दिन में नहीं बना है।

केंद्रीय सरकार का रवैया औद्योगिकीकरण के विरुद्ध नहीं है, विकास और प्रगति के विरुद्ध नहीं है। केंद्र सरकार का दृष्टिकोण प्रगति का है। यदि कोई व्यक्ति औद्योगिकरण के लिए कहता है, तो हम कहते हैं, हां, हम लोगों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं, परन्तु यह नियंत्रण के अधीन और अधिकतम होना चाहिए। उद्योगों को पर्यावरण नियमों का ध्यान रखना चाहिए। उन्हें वातावरण को प्रदूषित नहीं करना चाहिए।

हम मोटरवाहन अधिनियम में कुछ संशोधन करने जा रहे हैं, ताकि मोटर वाहनों द्वारा होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। ...विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत ऐसे 30 अधिनियम हैं, जो प्रदूषण और पर्यावरण की समस्याओं का ध्यान रख रहे हैं। 1980 में वन संरक्षण अधिनियम पास किया गया था और उसमें काफी सुधार किया गया है। ...आशा है कि वर्तमान वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम में संशोधनों से हमारे हाथ और मजबूत होंगे।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

कांग्रेस की दक्षिण भारत पर निगाह

अजय दीक्षित

80 साल के मल्लिकार्जुन खड़गे 137 साल पुरानी कांग्रेस के 98वें अध्यक्ष तो बन गये हैं पर उनकी असली परीक्षा अब होगी । इसलिए नहीं कि 24 साल के अन्तराल के बाद कोई गैर-गांधी कांग्रेस की कमान संभाल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि देश की सबसे पुरानी यह राजनीतिक पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। लगातार दो लोक सभा चुनाव और दर्जन भर से भी ज्यादा विधानसभा चुनावों में शर्मनाक पराजय से उपजी निराशा और हताशा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिस गांधी परिवार को कांग्रेस का स्वाभाविक नेतृत्व माना जाता रहा, उसी पर जी-23 ने बाकायदा पत्र लिख कर सवाल उठाये । जी-23 के अग्रणी नेता नवी आजाद ने तो पहले ही राहुल गांधी पर सीधा हमला बोलते हुए जम्मू-कश्मीर में अपनी अलग डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी बना ली पर गांधी परिवार ने खड़गे को अध्यक्ष चुनबाकर परिवारवाद और आन्तरिक लोकतंत्र, दोनों बिन्दुओं पर आलोचकों को जवाव देने की कोशिश की है। बेशक, खड़गे की प्रचंड जीत गांधी परिवार के आशीर्वाद का ही परिणाम रही पर उनके पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस डेलीगेट्स अपनी जिम्मेदारी - जवावदेही से मुंह नहीं चुरा सकते। राजनीति की सामान्य समझ रखने वाला भी जानता था कि नया अध्यक्ष गांधी परिवार का विश्वस्त ही होगा। अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद के मोह में जैसे रंग बदले, उसके बाद तो यह और भी जरूरी था कि कांग्रेस के साथ स्वयं भी साख के संकट से गुजर रहा गांधी परिवार किसी तरह का जोखिम न उठाए। इसीलिए अन्तिम क्षणों में खड़गे पर दांव लगाया गया। परिवार का आशीर्वाद खड़गे को मिला तो उसके मूल में भावी राजनीति की रणनीति भी खोजी जा सकती है। दलित समुदाय से आने वाले खड़गे पिछला लोक सभा चुनाव हारने से पहले कर्नाटक के गुलबर्गा से लगातार 10 बार जीत भी चुके हैं। पराभव के दौर से गुजर रही कांग्रेस में चुनावी जीत का ऐसा रिकॉर्ड रखने वाले नेता ज्यादा नहीं हैं पर खड़गे को चुनने का यही कारण नहीं है। विधानसभा चुनावों के सन्दर्भ में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा को अपवाद मान लें तो उत्तर भारत से कांग्रेस लगभग लुप्त हो चुकी है। बिहार और झारखण्ड में भी थोड़ी-बहुत बची है तो राजद, जदयू और झामुमो से गठबंधन की बदौलत। नहीं भूलना चाहिये कि यही उत्तर भारत भाजपा का मुख्य शक्ति केन्द्र भी है। उत्तर भारत के 10 राज्यों और केन्द्रशासित क्षेत्रों उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर से 180 लोक सभा सांसद चुने जाते हैं। 2019 के लोक सभा चुनाव में इनमें 122 सीटें भाजपा की झोली में गईं। भाजपा को उत्तर भारत से कितनी जबर्दस्त शक्ति मिलती है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उसने 50 प्रतिशत मत हासिल करते हुए उत्तर प्रदेश की 80 में से 62 लोक सभा सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट तक सिमट गई। स्वयं राहुल गांधी अमेठी से हार गये। उन्हें ऐसी आशंका रही होगी, तभी शायद वह केरल के कोट्टायम से भी लोक सभा चुनाव लड़े, और जीत भी गये। ऐसे में मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बना कर कांग्रेस ने दक्षिण भारत में अपनी जमीन बचाने और भाजपा का विस्तार रोकने की रणनीति बनाई लगती है।

2019 के लोक सभा चुनाव की ही बात करें तो दक्षिण भारत की कुल 130 सीटों में से भाजपा-नीत राजग के हिस्से 30 सीटें ही आई जिनमें से 25 कर्नाटक से मिलीं। कर्नाटक में लोक सभा की 28 सीटें हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद के घटनाक्रम से तो लगता है कि इस वार भाजपा के लिए कर्नाटक में पुराना प्रदर्शन दोहरा पाना मुश्किल होगा। तमिलनाडु के मतदाता अपने मन का संकेत विधानसभा चुनाव में दे ही चुके हैं। पुड्डुचेरी और लक्षद्वीप में एक-एक लोक सभा सीट है। आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्षेत्रीय दलों वाईएसआर कांग्रेस और टीआरएस का राज है। वाईएसआर का रुख केन्द्र सरकार के प्रति सहयोगात्मक रहा है पर वह भाजपा को राज्य में पैर जमाने देने का जोखिम तो नहीं ही उठायेगी जबकि टीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव तो खुद ही पीएम बनने के लिए विपक्षी ध्रुवीकरण में जुटे हैं। ऐसे में दक्षिण भारत में कांग्रेस को बड़ी चुनावी सफलता मिले या नहीं पर वह भाजपा का प्रभाव सीमित करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। भाजपा से मित्रता न रखने वाले क्षेत्रीय दल भी दक्षिण में बढ़त पाएं तो कांग्रेस को ज्यादा परेशानी नहीं होगी। कांग्रेस की इस रणनीति की पहली परीक्षा अगले साल हो जायेगी जब कर्नाटक, तेलंगाना समेत देश के 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे। अगले साल 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव केन्द्रीय सत्ता के लिए 2024 में होने वाले मुकाबले का सेमीफाइनल माने जा सकते हैं। ताजपोशी के तुरन्त बाद हो रहे हिमाचल और गुजरात के चुनावों के परिणामों की कसौटी पर खड़गे को कसना उनके साथ अन्याय होगा लेकिन अगले साल के चुनाव परिणामों की जिम्मेदारी जबावदेही से वह नहीं बच पाएंगे। कहना न होगा कि इस वीच संगठनात्मक ढांचा तैयार करने से लेकर राजस्थान समेत तमाम राज्यों में गुटबाजी से निपटने जैसी चुनौतियों से तो खड़गे को आये दिन ही दो-चार होना पड़ेगा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग

ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

मुख्यमंत्री ने जांजगीर में विभिन्न समाज के प्रमुखों एवं संगठनों के पदाधिकारियों से मुलाकात की

जांजगीर में विभिन्न समाज शिवरीनारायण में धर्मशाला उन्नयन के लिए 50 लाख रूपए की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जांजगीर-चांपा विधानसभा क्षेत्र के मुख्यालय जांजगीर में विभिन्न समाज के प्रमुखों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी समाज एवं संगठनों के पदाधिकारियों से शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का फीडबैक लेने के साथ ही सामाजिक सरोकार की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर कई समाज के प्रतिनिधि मण्डल की मांग पर सामाजिक भवन के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की। मुख्यमंत्री ने कनौजिया कुर्मी समाज की मांग पर शिवरीनारायण में धर्मशाला के उन्नयन के लिए 50 लाख रूपए मंजूर किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कुर्मी क्षत्रीय समाज की मांग पर सामाजिक भवन के लिए 20 लाख रूपए, यादव समाज एवं

साहू समाज के आग्रह पर जांजगीर में समाज के भवन के निर्माण के लिए 20-20 लाख रूपए, सरयूपारीय ब्राम्हण समाज के सामुदायिक भवन के उन्नयन के लिए 20 लाख रूपए तथा कहरा समाज के भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री इस दौरान दिव्यांगजनों ने भी मुलाकात कर रोजगार उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री से दिव्यांगजनों ने भी मुलाकात की और रोजगार उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को उनके इलाकों के गौठानों में स्थापित हो रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) से जोड़ने के भी निर्देश दिए। देवांगन समाज की मांग पर मुख्यमंत्री ने ककून बैंक की स्थापना के संबंध में भी वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। भेंट-मुलाकात के दौरान झरिया लोहार समाज, पनिका समाज, रौठार समाज, सिंधी समाज, मसीह समाज के लोगों ने भी मुख्यमंत्री से सामाजिक भवन के लिए राशि स्वीकृत किए जाने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने समाज प्रमुखों एवं पदाधिकारियों को सामाजिक भवनों के निर्माण के लिए सर्वप्रथम शासकीय भूमि के आबंटन एवं रजिस्ट्री की प्रक्रिया को पूरा कराए जाने की विस्तार से जानकारी दी और कहा कि भूमि उपलब्ध होने के बाद भवन निर्माण के लिए आवश्यकतानुसार राशि की स्वीकृत की जाएगी। मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सामाजिक भवन के निर्माण की प्रगति की जानकारी दी और सामाजिक भवन के निर्माण के लिए पूर्व में 20 लाख रूपए की स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री को कृषक कल्याण समिति जांजगीर-चांपा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सम्मान स्वरूप पुराना चावल, शॉल एवं स्मृति चिंन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण समिति के आग्रह पर रबी फसलों की सिंचाई के लिए नहरों से जलापूर्ति के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने मुख्यमंत्री से कहा, सर अवर पेरेंट्स आर वेरी हैप्पी बिकॉज ऑफयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चों को निशुल्क अंग्रेजी शिक्षा ही स्वामी आत्मानंद स्कूल का उद्देश्य

सिवनी में भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों के बीच रोचक वार्तालाप

रायपुर। 'सर अवर पेरेंट्स आर वेरी हैप्पी बिकॉज आफ यू, दी प्लान ऑफ स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल इज हाइली अप्रिशिएटिड' दरअसल यह वार्तालाप मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ रहे कक्षा ग्यारहवीं के छात्र साहिल साहू और छात्रा माही पांडे के बीच का है। बच्चों की फर्राटेदार अंग्रेजी सुनकर मुख्यमंत्री श्री बघेल भी गदगद हो गए।

जिला जांजगीर चांपा के ग्राम पंचायत सिवनी में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में आत्मानंद स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों ने मुख्यमंत्री से अंग्रेजी में बात की। बच्चों ने बताया कि स्वामी आत्मानंद स्कूल के माध्यम से मिल रहे निशुल्क अंग्रेजी शिक्षा से उनके परिवार वाले बेहद खुश है। इस पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूल में निशुल्क पढ़ाई से पैसों की बचत हो रही है और बच्चो को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल रही है, तो परिवार वाले खुश होंगे ही। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना का ही उद्देश्य गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चों को निशुल्क अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा दिलाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले निजी स्कूलों में भारी-भरकम फीस चुकानी पड़ती थी। राज्य शासन द्वारा संचालित आत्मानंद स्कूल से गरीब लोगों को फीस चुकाने की चिंता से मुक्ति मिल गई है। साथ ही बच्चों को मुफ्त में अंग्रेजी में शिक्षा भी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि पहले निजी स्कूलों में कितना फीस चुकाते थे। इस पर साहिल साहू ने बताया कि निजी स्कूल में पढ़ाई के दौरान प्रति 3 महीने में 15 हजार रुपए फीस चुकाने पड़ते थे। माही पांडे ने कहा कि उन्हें 20 हजार रुपए सालाना स्कूल फीस के रूप में देना पड़ता था।

खास खबर

विधायक, महापौर ने किया साढ़े 15 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

कोरबा। कटघोरा विधायक एवं उपाध्यक्ष मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण छ.ग. पुरूषोत्तम कंवर एवं महापौर राजकिशोर प्रसाद आज बांकीमोगरा जोनांतर्गत वार्ड क्र. 64 एवं 67 में 15 लाख रूपये की लागत से सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर सभापति श्यामसुंदर सोनी, मेयर इन काउंसिल के सदस्य, पार्षदगण व एल्डरमेनगण विशिष्ट रूप से उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अधोसंरचना मद से वार्ड क्र. 64 पटवारी आफिस के पास 07 लाख 91 हजार रूपये की लागत से सीमेंट कांक्रीट सड़क एवं वार्ड क्र. 67 गजरा चौक से दादू टेलर घर तक 07 लाख 75 हजार रूपये की लागत से सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य कराया जाना हैं। आज उक्त दोनों वार्डो में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक कंवर एवं महापौर प्रसाद ने उक्त कार्यो हेतु भूमिपूजन किया तथा कार्य शुभारंभ कराया। इस अवसर पर विधायक कंवर ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य करा रही है, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में विगत 04 वर्षो में व्यापक पैमाने पर विकास कार्य कराए गए तथा दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका सीधा लाभ गरीब, मजदूर, किसान एवं जरूरतमंदों को प्राप्त हो रहा है। उन्होने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र में भी लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, यहाँ पर स्थित सार्वजनिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठान भी विकास में अपनी भूमिका निर्वहन कर रहे हैं किन्तु उन्हें इस दिशा में और अधिक सजग होना होगा तथा अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यो पर विशेष ध्यान देना होगा। इस अवसर पर महापौर राजकिशोर प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का पूरा-पूरा आशीर्वाद नगर निगम कोरबा को प्राप्त हो रहा है।

भेंट-मुलाकात: विधानसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा के ग्राम सेमरा पहुँचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने धुरकोट में सहकारी बैंक, नवागढ़ में आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात के लिए विधानसभा जांजगीर-चांपा के ग्राम सेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर भेंट-मुलाकात कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि धान कटाई की शुरुआत हो चुकी है। इस साल बारिश अच्छी होने से फसल भी अच्छी हुई है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी की शुरुआत भी एक नवंबर से हो चुकी है। किसान अपनी सुविधा अनुसार टोकन कटवाकर धान बेचना शुरू करें।

मुख्यमंत्री ने किसानों से गौठानों में पैरादान करने की अपील की

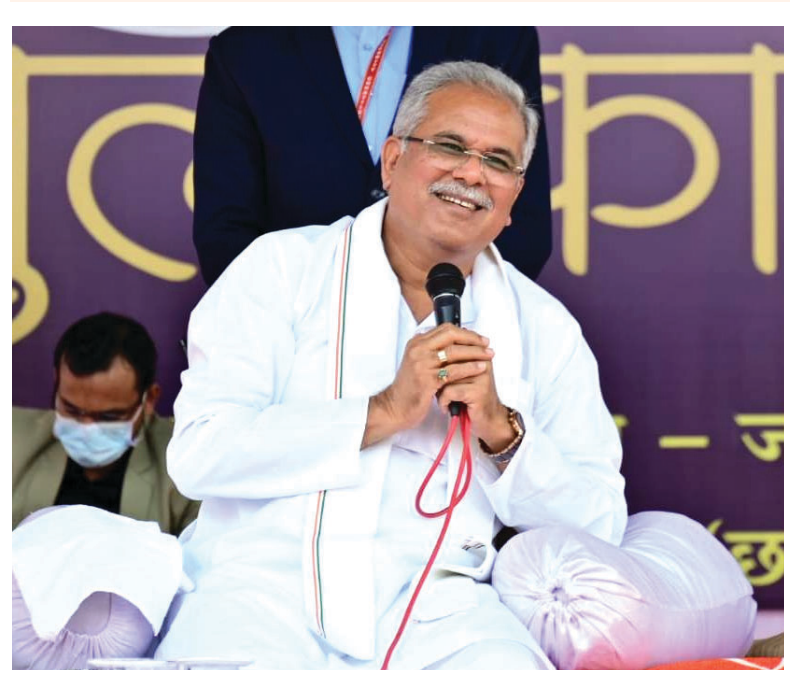

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम धुरकोट में सहकारी बैंक, नवागढ़ के शासकीय नवीन महाविद्यालय का नाम लिंगेश्वर महादेव के नाम पर करने, लिंगेश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार, नवागढ़ में आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरू करने, शासकीय हाईस्कूल बुढ़ेना को आयुर्वेद रत्न डॉ. गुलाब सिंह के नाम पर करने की घोषणा की।

इसी प्रकार ग्राम सेमरा साप्ताहिक बाजार में शेड व चबूतरा निर्माण, ग्राम कुटरा में हाईस्कूल में अतिरिक्त भवन व शौचालय, ग्राम औराई में सी.सी. रोड, ग्राम सलखन में मुक्तिधाम तक सी.सी. रोड बनवाने, ग्राम उदय भाठा के हाईस्कूल का उन्नयन करने और नगर पंचायत नवागढ़ में खेल मैदान की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए पैरादान के फायदे गिनाते हुए किसानों से गौठानों में पैरादान करने की अपील भी की। पैरादान करने से प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी और मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था होगी। उन्होंने किसानों से कहा कि फसल कटाई के बाद पैरा न जलाएं। इससे प्रदूषण बढ़ जाता है, जो हम सबके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के हित का ध्यान रखते हुए दीवाली के पहले राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना और राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि श्रमिक न्याय योजना की राशि का वितरण किया है। इससे किसानों व श्रमिकों के चेहरे पर खुशहाली सहज ही देखने को मिली। बाजार की रौनक बढ़ने से व्यापार भी समृद्ध हुआ। मुख्यमंत्री से चर्चा करते हुए ग्राम अमोरा के किसान भरत पटेल ने बताया कि वे पहले मजदूरी करने जम्मू जाते थे। राजीव गांधी किसान न्याय योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिला तो 2 साल से मजदूरी के लिए बाहर जाना नहीं पड़ा। उन्होंने आगे बताया कि ऋणमाफी और राजीव गांधी किसान न्याय योजना से उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है। जिससे वे पिछले दो साल से बाहर मजदूरी करने नही जा रहे हैं। बल्कि यहीं खेती कर रहे हैं। उनका 10 हजार का कर्जमाफ हुआ है, 19 हजार का बोनस मिला है, गोधन न्याय योजना में गोबर बेचकर 20 हजार का लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल पामगढ़ की छात्रा तान्या केशरी ने फर्राटेदार अंग्रेजी में बात कर बताया कि स्कूल खुलने से अब फीस की चिंता किए बगैर अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ाई कर पा रहे हैं। पहले ज्यादा फीस लगती थी। तान्या ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को बताया कि उनके स्कूल में लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम जैसी सुविधाएं मिल रही है। शिक्षक भी बहुत सपोर्टिव हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस पर कहा कि आज गांवों में बच्चों को फर्राटेदार अंग्रेजी में बात करते देख बहुत खुशी होती है। बच्चे अपनी संस्कृति परंपरा से जुड़े रहे हैं इसलिए स्कूलों में हफ्ते में एक दिन छत्तीसगढ़ी और संस्कृत में भी पढ़ाई करवाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने एक छात्रा की शिकायत पर सेमरा हाई स्कूल में पूर्व में पदस्थ प्राचार्य को निलंबित करने एवं क्लर्क को अन्यत्र ट्रांसफर करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। छात्रा ने शिकायत में बताया था की तत्कालिन प्राचार्य विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण नहीं करते थे। राज्य सरकार द्वारा कोविड के दौरान फीस माफी के आदेश का पालन करवाने के लिए विद्यार्थियों को हड़ताल करना पड़ा था। साथ ही यहां पदस्थ लिपिक द्वारा कार्य नही करने के कारण शिक्षकों को कार्यालयीन काम करना पड़ता है। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्यवाही करते हुए पूर्व में पदस्थ प्राचार्य को निलंबित करने एवं क्लर्क को अन्यत्र ट्रांसफर करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

भेंट-मुलाकात के दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नवागढ़ पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, ग्राम पंचायत सेमरा की सरपंच श्रीमती गायत्री साहू, बिलासपुर सम्भाग के कमिश्नर संजय अलंग, कलेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा, एसपी विजय अग्रवाल सहित त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्था के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम: मुख्यमंत्री ने ग्राम सिवनी में माँ संतोषी देवी का किया दर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विधानसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा में भेंट-मुलाकात अभियान के क्रम में आज शुक्रवार को ग्राम सिवनी (नैला) में माँ संतोषी देवी मंदिर में दर्शन के लिए पहुँचे और पारंपरिक विधि-विधान से देवी माँ की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने माँ संतोषी देवी से प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मां संतोषी देवी मंदिर परिसर में मां संतोषी की मूर्ति की स्थापना 13 मार्च 1976 को किया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक मंदिर का निर्माण और मूर्ति की स्थापना समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से मिलकर किया गया है तथा मूर्ति का निर्माण नवगठित सक्ती जिले के ग्राम दतौद से लाए गए लाल पत्थर से किया गया है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि मां संतोषी की श्रद्धापूर्वक पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है तथा नवरात्र पर्व के दौरान जवा विसर्जन के समय संतानहिन महिलाओं द्वारा श्रद्धापूर्वक जवा विसर्जन में शामिल होकर जवा सिर पर उठाकर ले जाने पर उन्हें संतान की प्राप्ति होती है। यहां प्रत्येक वर्ष चौत्र नवरात्रि के अवसर पर भव्य मेला का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही मां संतोषी सेवा समिति सिवनी (नैला) द्वारा मंदिर परिसर में प्रत्येक शुक्रवार को उद्यापन की व्यवस्था भी की जाती है। मंदिर परिसर में संतोषी माता की मूर्ति के साथ साथ नव दुर्गा की मूर्ति भी स्थापित की गई है। मंदिर के पुजारी श्री नंदकिशोर शर्मा है। वर्तमान में मां संतोषी मंदिर का संचालन श्री संतोषी सेवा समिति सिवनी (नैला) द्वारा किया जा रहा है। श्री संतोषी सेवा समिति सिवनी के अध्यक्ष श्री शरद राठौर और संरक्षक श्री राजेश राठौर है। समिति के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री को शाल, श्रीफल और मां संतोषी की प्रतिमा भेंट किया गया।

दिव्यांगों और वृद्धों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए हेल्थ वेडनेसडे कार्यक्रम आयोजित

रायगढ़। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत विभागीय मान्यता प्राप्त एवं अनुदानित संस्थाओं के साथ-साथ समाज कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं में निवासरत हितग्राहियों के संरक्षण एवं नियमित स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए सक्षम रायगढ़ अभियान के अंतर्गत हेल्थ वेडनेसडे थीम पर 9 नवम्बर 2022 को स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिव्यांगजनों का विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यकतानुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण कर हेल्थ रिकॉर्ड रखा जायेगा।

खास खबर

शहर में यातायात की समस्या दूर करने कलेक्टर डॉ भुरे ने अधिकारियों की ली बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में रायपुर शहर में यातायात की समस्या को दूर करने के संबंध में विभिन्न विभागो के अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया। बैठक में शहर में जाम की स्थिति वाले पॉइंट ,अतिक्रमण वाले स्थान, ऑटो स्टॉपेज की आवश्यकता वाले स्थान, बिजली खंभा, ट्रांसफार्मर हटाने वाले पॉइंट, सर्विस रोड के बिजली खंभे होने से होने वाली समस्या, शहर में सिग्नल की आवश्यकता वाले चौक चौराहे, ऑटोमेटिक सिग्नल लगाए जाने वाले स्थान, शहर में लेफ्ट टर्न फ्री की सुविधा बनाए जाने वाले तिराहा एवं चौराहों, रोड एज मार्किंग की आवश्यकता, मार्ग विभाजक निर्माण की आवश्यकता सहित तत्कालीन एवं दीर्घकालीन आवश्यकताएं एवं उन्हें दूर करने के उपाय के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अव्यवस्थित यातायात की समस्या को दूर करने पुलिस विभाग, नगर निगम एवं अन्य विभागों को समन्वय बनाकर काम करने कहा। बैठक में रायपुरा चौक, संतोषी नगर चौक एवं पचपेड़ी नाका चौक के सर्विस रोड के विद्युत खंभों को हटाकर चौड़ीकरण एवं ब्रिज के नीचे फुटपाथ को हटाने एवं अतिक्रमण हटाने निर्देशित किया गया। एलआईसी ऑफिस के सामने पंडरी सिटी सेंटर मॉल कार्नर से एक्सप्रेस वे ब्रिज के नीचे पंडरी चौक तक नया मार्ग का निर्माण करने की आवश्यकता के संबंध में चर्चा की गई।

कलेक्टर ने दुकान के बाहर पाटा लगाकर समान लगाने, ठेला खोमचा लगाकर यातायात बाधित करने जैसे अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार अग्रवाल, आयुक्त नगर पालिका निगम एवं एमडी स्मार्ट सिटी लिमिटेड रायपुर मयंक चतुर्वेदी, अधीक्षण अभियंता सीएसईबी मनोज वर्मा, लोक निर्माण विभाग के सभी संभागों के कार्यपालन अभियंता, रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन के अधिकारी, पुलिस यातायात एवं परिवहन विभाग के अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 12 से 14 जनवरी तक

रायपुर। प्रदेश में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2022-23 का आयोजन 12 से 14 जनवरी 2023 तक किया जाएगा। इसकी तैयारी के मद्देनजर मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने महानदी भवन मंत्रालय में बैठक ली। बैठक में संबधित विभागों को जिम्मेदारी दी गई। सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। उन्होंने राज्य स्तरीय आयोजन में आने वाले प्रतिभागियों के लाने जे जाने, रास्ते में भोजन और प्रतिभागियों के ठहरने इत्यादि की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि युवा महोत्सव में भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को 500 रूपए प्रति प्रतिभागी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री बघेल ने पूर्व में घोषणा की थी। इन प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि परिधान, विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र, निर्णायकों के चयन सहित उनकी अन्य व्यवस्था की जिम्मेदारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग को दी गई। बैठक में कहा गया कि राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के आयोजन के लिए पूर्व की भांति कलेक्टर रायपुर की अध्यक्षता में लोकल ऑर्गेनाइजिंग कमेटी गठित की जाए।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से अब तक 33.21 लाख से ज्यादा लोगों का निःशुल्क इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऐसी परिकल्पना की थी कि स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों का इलाज उनके घर पर ही हो। इसी उद्देश्य के साथ लागू की गई मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक 33 लाख से ज्यादा लोगों का इलाज मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल द्वारा स्लम बस्तियों में पहुंचकर किया गया है।

योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस योजना के माध्यम से अब तक 7 लाख 24 हजार 855 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 27 लाख 65 हजार 188 से अधिक मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी गई हैं। योजना के तहत लाभान्वित मरीजों में दो लाख 54 हजार 578 श्रमिक भी हैं।

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में 45 हजार 111 कैम्प लगाकर लोगों की निःशुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध कराया जाए। डॉ. डहरिया ने योजना के क्रियान्वयन की लगातार मानिटरिंग कर रहे है।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई।

प्रदेश के स्कूलों में बाल दिवस के दिन होगी शाला प्रबंधन समिति की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के सभी स्कूलों में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जन्मतिथि 14 नवंबर बाल दिवस के दिन शाला स्तरीय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इस संबंध में प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मिशन समन्वयकों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी और मिशन समन्वयकों से कहा गया है कि राज्य में बच्चों के सीखने में सुधार एवं अभी तक हुए सीखने के नुकसान की भरपाई के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इस उद्देश्य की प्राप्ति में शाला स्तरीय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा द्वारा प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल तथा सेकण्डरी स्तर के लिए बैठक का अलग-अलग सुझावात्मक एजेंडा आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजा है। इन दोनों स्तर के शाला प्रबंधन समिति की बैठक के एजेंडा में नियमित उपस्थिति हेतु स्थानीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं करना, आगामी तीन वर्षों के लिए शाला विकास योजना निर्माण एवं तद्नुसार कार्य, शाला आपदा प्रबंधन योजना निर्माण एवं बच्चों को आवश्यक जानकारियां देना एवं मॉक-ड्रिल, शाला में उपलब्ध विभिन्न ग्रांट का आवश्यकतानुसार उपयोग हेतु सहमति को शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर आवश्यकतानुसार एजेंडा में चर्चा की जा सकती है।

इसके अलावा शाला प्रबंधन समिति कक्षा पहली से आठवीं के बैठक के लिए बच्चों की बच्चों के मूलभूत भाषा, गणित के कौशल के विकास के लिए समुदाय के सहयोग से कक्षाएं संचालन, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम और उन्हें मूलभूत भाषा, गणित के कौशल के विकास लक्ष्य प्राप्त करने की जिम्मेदारी, शाला के बाहर के बच्चों को नियमित शाला लाने एवं उपचारात्मक शिक्षण योजना, शाला में प्रिंट रिच वातावरण एवं इंटरनेट के उपयोग हेतु रणनीति, बस्ताविहीन कक्षाओं के संचालन के लिए समुदाय से सहयोग को एजेंडा में शामिल किया गया है।

इसी प्रकार शाला प्रबंधन समिति एवं विकास समिति कक्षा 9वीं से 12वीं की बैठक के एजेंडा में सभी स्कूलों में बेंसलाइन टेस्ट के परिणामों का प्रस्तुतीकरण एवं कमजोर क्षेत्रों की पहचान, उपचारात्मक शिक्षण के लिए विशेष मोहल्ला कक्षाओं की नियमित संचालन के लिए व्यवस्थाएं करना, शाला में उपलब्ध प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय का नियमित उपयोग के लिए रणनीति बनाने को शामिल किया गया है। शाला में इंटरनेट की सुविधा एवं स्मार्ट कक्षाओं का नियमित उपयोग के लिए रणनीति, शाला प्रबंधन विकास समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम और उसमें सक्रिय सहभागिता पर कार्य को शामिल किया गया है।

रबी सीजन में प्रमाणित बीज और उर्वरक वितरण के लिए करें पुख्ता व्यवस्थाः डॉ. कमलप्रीत सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने आज बिलासपुर जिले के नवीन विश्राम गृह में बिलासपुर और सरगुजा संभाग की बैठक ली और खरीफ वर्ष 2022, रबी वर्ष 2022-23 के कार्यक्रम निर्धारण की समीक्षा की। डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि शासन का लक्ष्य किसानों का सशक्तिकरण और खेती को मजबूत बनाना है। किसानों की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए राज्य में धान के साथ-साथ अन्य व्यवसायिक फसलों की खेती को भी बढ़ावा देना चाहिए। डॉ. सिंह ने किसानों को जैविक खेती को अपनाने और रबी सीजन में वर्मी कम्पोस्ट का अधिक से अधिक उठाव और उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने सिंचित क्षेत्रों में गेहूं की खेती को प्रोत्साहित करने और रबी सीजन में बीज-उर्वरक की वितरण की पुख्ता व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने उर्वरकों की कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाने को कहा। उन्होंने प्रमाणीकृत जैविक खेती पर जोर दिया। डॉक्टर सिंह ने एक जिला एक उत्पाद को अपनाए जाने की आवश्यकता की पर भी बल दिया।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए अच्छे किस्म का उन्नत बीज और समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके अलावा स्वायल हेल्थ टेस्टिंग और किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। साथ ही निर्देश दिए कि फसल कटाई प्रयोग का गलत आंकड़ा प्रविष्ट न किया जाए। डॉ. सिंह ने अधिकारियों को रबी सीजन 2022-23 के लिए किसानों को बीज और उर्वरक वितरण का कार्य तेजी से करने को कहा।

डॉ. सिंह ने कहा कि सरगुजा संभाग में रागी और उड़द के विशेष प्रोजेक्ट पर फोकस किया जाए। इसके अलावा सरसों के उत्पादन में भी वृद्धि के लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से मिट्टी की स्थिति में सुधार आया है। किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित करें। राज्य शासन द्वारा दलहन और तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं भी संचालित की जा रही है। किसानों को भी इसका लाभ सुनिश्चित कर दलहन और तिलहन की खेती के लिए प्रेरित करें।

एमके राउत को सेवा निवृत्ति पर दी गई बिदाई

सभी सकारात्मक उर्जा के साथ कार्य कर आयोग का नाम रोशन करें: राउत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एम.के. राउत को आयोग कार्यालय में आज सेवा निवृत्ति होने पर सादे समारोह में बिदाई दी गई। निवृतमान राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एम.के. राउत ने इस अवसर पर कहा कि आयोग में संसाधनों की कमी के बाद भी कुशलता से कार्य सम्पादित किए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी सकारात्मक उर्जा के साथ कार्य कर सूचना आयोग का नाम रोशन करें। श्री राउत ने कहा कि विगत 4 माह में जिलों में सूचना का अधिकार अधिनियम पर कार्यशाला को आयोजन कर जनसूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर उनकी समस्याओं का समाधान किए, जिसका बेहतर परिणाम मिल रहा है।

निवृतमान राज्य मुख्य सूचना आयुक्त राउत ने कहा कि वर्ष 2022 उपलब्धि भरा रहा है। आयोग के द्वारा वर्ष 2006 से लेकर वर्ष 2022 तक के महत्वपूर्ण निर्णयों को संकलित कर प्रकाशन कराया गया, जो जनसूचना अधिकारियों, प्रथम अपीलीय अधिकारियों और अपीलार्थियों के लिए मार्गदर्शी साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोग में अपील और शिकायत के प्रक्ररणों की सुनवाई की जाती रही, जिसके माध्यम से अपीलार्थी और जनसूचना अधिकारी अपनी बात रख सकते है।

केंद्र सरकार की टीम ने छत्तीसगढ़ सरकार के योजनाओं सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने पहुंची भारत सरकार की कॉमन रिव्यु मिशन की 14 सदस्यीय टीम ने पांच दिनों तक कोंडागांव और सूरजपुर जिले के अस्पतालों का निरीक्षण किया। टीम ने इन दोनों जिलों में विभिन्न सरकारी अस्पतालों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की पड़ताल की। केन्द्र सरकार की टीम ने दौरा पूर्ण होने के बाद आज स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रिपोर्ट साझा की तथा अपने फीडबैक व सुझावों से अवगत कराया। स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. ने मैदानी फीडबैक व महत्वपूर्ण सुझावों के लिए कॉमन रिव्यु मिशन के सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि टीम द्वारा बताए गए कमियों-खामियों को दूर करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग जरूर काम करेगा।

प्रदेश के पांच दिवसीय दौरे पर आए सीआरएम की टीम में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव ई. रॉबर्ट सिंह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त निदेशक डॉ. संदीप जोगडंड, विश्व स्वास्थ्य संगठन के हेल्थ सिस्टम ऑफिसर डॉ. प्रांजल तामुली, आयुष मंत्रालय के डॉ. सुधांशु कुमार मेहेर, पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ (टीबी) डॉ. काजी तौफीक अहमद और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के डॉ. बी.एस. चरण सहित भारत सरकार के कई

स्वास्थ्य सलाहकार शामिल हैं। टीम के साथ हुई बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक अभिजीत सिंह और संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा भी मौजूद थे।

कॉमन रिव्यु मिशन की टीम ने राज्य शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री हाट-बाजार योजना, एनीमिया मुक्त कार्यक्रम, मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान और हमर लैब योजना की सराहना की। उन्होंने प्रदेश में मुहैया कराई जा रही मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, फिजियोथेरेपी सेवाओं तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में दी जा रही सुविधाओं के साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में दवाईयों की उपलब्धता की भी प्रशंसा की। टीम के सदस्य डॉ. सुधांशु कुमार मेहेर ने आयुष विभाग द्वारा चलाए जा रहे दीर्घायु योजना को भी सराहा। इसके अंतर्गत माह के हर गुरूवार को 60 से अधिक उम्र के लोगों की निःशुल्क जांच एवं इलाज किया जा रहा है।

सीआरएम की टीम ने उप स्वास्थ्य केंद्रों और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में आ रहे गैप को जल्द खत्म करने का सुझाव दिया। उन्होंने ज्यादा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी करने कहा। टीम के सदस्य डॉ. काजी तौफीक अहमद ने टीबी की जांच का दायरा बढ़ाने, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना में भी टीबी की जांच करने तथा निजी क्षेत्र के सहयोग से ज्यादा से ज्यादा संख्या में इसकी जांच करने का सुझाव दिया। टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में कुष्ठ रोग के प्रति और अधिक जागरूकता लाने का भी सुझाव दिया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या है एक्वा योग?

योगासन का तरीका और फायदे

अगर आप अपने सामान्य वर्कआउट सेशन से ऊब चुके हैं तो एक्वा योग ट्राई करके देखें। एक्वा योग को जल योगा भी कहा जाता है। यह पानी के अंदर किया जाने वाला योगासन है। आजकल यह योगासन फिटनेस ट्रेंड बन चुका है, जिसको सिर्फ हॉलीवुड ही नहीं, बल्कि भारतीय सितारे भी फिट रहने के लिए अपना रहे हैं। चलिए फिर आज हम आपको इस मुश्किल योगासन के बारे में विस्तार से बताते हैं।

एक्वा योग क्या है?

यह एक पानी वाला योगासन है, जिसमें व्यक्ति पानी में रहते हुए तरह-तरह के योग आसनों का अभ्यास करता है। अगर आप इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपको कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े लाभ मिल सकते हैं।

एक्वा योग का अभ्यास करने से मिलने वाले फायदे

एक्वा योग न केवल शरीर और दिमाग को आराम देने समेत शारीरिक संतुलन में सुधार करने में मदद कर सकता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी सहायक है और जोड़ों के दर्द को भी कम कर सकता है। इसके अभ्यास से शरीर की मांसपेशियां भी मजबूत हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, यह योग कार्डियोवैस्कुलर के कार्य में सुधार करने में भी सहायक साबित हो सकता है।

एक्वा योग कैसे करें?

एक्वा योग आमतौर पर एक स्विमिंग पूल की सतह पर बैठकर किया जा सकता है या जब आप किसी योगासन को सीधे खड़े होकर करते हैं तो इसमें आपके शरीर का 50-70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब जाता है। योग के दौरान आप अपने पैरों को पानी की सतह पर या अपने सिर, हाथ, छाती, गर्दन और कंधों को मुद्रा के आधार पर पानी में रख सकते हैं। इसमें कुछ योगासनों को करते समय सांस रोककर रखना भी शामिल है।

एक्वा योग के दौरान कौनसे योगासन किए जा सकते हैं?

एक्वा योग के लिए ऐसे योगासनों का चयन करना चाहिए, जिन्हें करते समय शरीर को किसी भी तरह की परेशानी ना हो। आप पानी में वृक्षासन का अभ्यास कर सकते हैं, जो शारीरिक संतुलन को सुधारने, स्थिरता लाने और एकाग्रता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, शवासन, वीरभद्रासन 2, उत्थित हस्त पदांगुष्ठासन और कटिचक्रासन आदि योगासन भी आजमा सकते हैं।

एक्वा योग का अभ्यास करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

एक्वा योग करने के लिए हमेशा हल्के और आरामदायक कपड़े पहनें। इसके लिए महिलाएं स्पोर्ट्स ब्रा और शॉर्ट्स के साथ स्विम कैप टॉप या बाथिंग सूट पहन सकती हैं, जबकि पुरुष वेटसूट या स्विम शॉर्ट्स पहन सकते हैं। अगर आप एक आउटडोर पूल में अभ्यास कर रहे हैं तो अपनी त्वचा को सनटैन से बचाने के लिए वाटरप्रूफ सनस्क्रीन जरूर लगाएं। इसके अतिरिक्त, स्वीमिंग कैप और सनग्लासेस पहनना ना भूलें। हमेशा विशेषज्ञ की निगरानी में योग का अभ्यास करें।

इंडिया लॉकडाउन की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

2 दिसंबर को जी5 पर होगी रिलीज

मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म इंडिया लॉकडाउन की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है. यह फिल्म इसी साल यानी 2 दिसंबर 2022 को जी5 पर रिलीज होगी. आपको बता दें, मधुर भंडारकर ने इस फिल्म की घोषणा कू पर की है. इस फिल्म की कहानी भारत में लगे लॉकडाउन को लेकर है. इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे चार जिंदगियां लॉकडाउन में प्रभावित हुईं और उनकी लाइफ में क्या असर पड़ा. इस फिल्म में 4 मुख्य किरदारों की अलग-अलग कहानी के जरिए भारत में कोरोना महामारी के दौरान लगे पहले लॉकडाउन की कहानी को बयां किया है.

यह फिल्म डॉ. जयंतीलाल गड़ा (पेन स्टूडियो) द्वारा प्रस्तुत और भंडारकर एंटरटेनमेंट, प्रणव जैन, धवल जयंतीलाल गड़ा और अक्षय जयंतीलाल गड़ा द्वारा निर्मित है और इस फिल्म में प्रतीक बब्बर, श्वेता बसु प्रसाद, साई तम्हंकर, अहाना कुमरा, जरीन शिहाब, आयशा ऐमान, सात्विक भाटिया और सानंद वर्मा जैसे कलाकार नजर आएंगे. आपको जानकर हैरानी होगी कि मधुर भंडारकर ने इस फिल्म को लॉकडाउन के दौरान शूट किया था.

इस फिल्म में प्रतीक बब्बर, श्वेता बसु प्रसाद, साई तम्हंकर, अहाना कुमरा, जरीन शिहाब, आयशा ऐमान, सात्विक भाटिया और सानंद वर्मा नजर आने वाले हैं. 4 मुख्य किरदारों की अलग-अलग कहानी के जरिए भारत में कोरोना महामारी के दौरान लगे पहले लॉकडाउन की कहानी को बयां किया है. एक्ट्रेस श्वेता बसु प्रसाद सेक्स वर्कर का रोल प्ले कर रही हैं. उनके जरिए महामारी के दौरान सेक्स वर्करों की दुर्दशा पर फोकस किया गया है. इस फिल्म का पहला पोस्टर साल 2021 में रिलीज हुआ था. इसी पोस्टर के जरिए मधुर भंडारकर ने अपनी इस फिल्म का ऐलान किया था और आज उन्होंने इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है. बताया जा रहा है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित होगी.

चिरंजीवी और सलमान खान की गॉडफादर नेटफ्लिक्स होगी रिलीज

चिंरजीवी, नयनतारा और सलमान खान की फिल्म गॉडफादर बीते दिनों काफी चर्चित रही। फिल्म 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। जहां फिल्म में सलमान ने कैमियो किया था वहीं पुरी जगन्नाध और सत्य देव सहायक भूमिका में नजर आए थे। अब प्रशंसकों को फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार है। फिल्म के ओटीटी रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी गई है।

गॉडफादर 19 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर की जाएगी। गॉडफादर एक पॉलिटिकल ऐक्शन थ्रिलर फिल्म है। एक राज्य के मुख्यमंत्री के निधन के बाद सत्ता हथियाने की लड़ाई शुरू होती है। इसमें चिरंजीवी को ब्रह्मा की भूमिका में देखा गया है। उनका किरदार राजनीतिक महत्वाकांक्षा से घिरा हुआ है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब किसी मामले में वह जेल चला जाता है। इसके बाद सलमान के किरदार के साथ ही फिल्म में रोचक मोड़ आता है।

गॉडफादर में सलमान के कैमियो की खूब चर्चा हुई थी। चिरंजीवी और सलमान पहली बार पर्दे पर साथ दिखाई दिए। दोनों के ऐक्शन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। दिलचस्प है कि इस फिल्म के लिए सलमान ने निर्माताओं से कोई फीस नहीं ली है। एक इंटरव्यू में चिरंजीवी ने बताया था, सलमान ने बिना पैसे लिए फिल्म की है, वह प्रशंसकों के प्यार के लिए यह फिल्म कर रहे हैं। सलमान भाई को सलाम। हम उनसे प्यार करते हैं। गॉडफादर हिट मलयालम फिल्म लूसिफर की तेलुगु रीमेक है। इस मलयालम फिल्म में अभिनेता मोहनलाल ने मुख्य किरदार निभाया था।

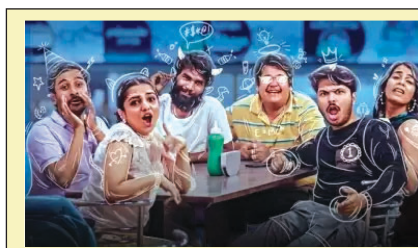

हॉस्टल डेज तीसरे सीजन के साथ कर रहा है वापसी

भारतीय युवा स्ट्रीमिंग शो हॉस्टल डेज अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। कॉमेडी-ड्रामा, जिसमें अहसास चन्ना, लव विस्पुते, शुभम गौर, निखिल विजय, आयुषी गुप्ता और उत्सव सरकार शामिल हैं, छह दोस्तों की कहानी नई दुविधाओं के साथ बताती है, जब वे अपने कॉलेज जीवन के दौरान इससे गुजर रहे होते हैं।

छात्रावास के जीवन में निहित गैरबराबरी, संघर्ष और पराजय से भरपूर, सीरीज छात्रावास के जीवन को दशार्ती है और उस यात्रा को दशार्ती है जिससे प्रत्येक छात्रावास-निवासी गुजरता है। तीसरा सीजन इन छह दोस्तों के जीवन में गहराई से उतरता है, जो कॉलेज के तीसरे वर्ष में आने वाले संकट से निपटने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उन्होंने दोस्ती, कॉलेज जीवन, पढ़ाई और बदलती गतिशीलता को संतुलित करने के लिए अपना पैर आगे रखा, जिससे एक मनोरंजक मौसम बन गया। द वायरल फीवर (टीवीएफ) द्वारा निर्मित और अभिनव आनंद द्वारा निर्देशित, हॉस्टल डेज सीजन 3 ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर 16 नवंबर को आएगा।

रचना मिस्त्री ने शेयर किया अपना स्किनकेयर रूटीन

ना उमर की सीमा हो की अभिनेत्री रचना मिस्त्री ने कुछ स्किनकेयर टिप्स साझा किए हैं, जिन्हें वह अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच में पालन करना पसंद करती हैं।

अभिनेत्री ने कहा है, मैं एक बहुत आलसी व्यक्ति हूं, इसलिए मैं ज्यादा स्किनकेयर नहीं करती, लेकिन मैं अपनी त्वचा की यथासंभव देखभाल करने की कोशिश करती हूं क्योंकि रोजाना मेकअप लगाने के बाद, हमारी त्वचा खराब हो जाती है इसीलिए मैं इसे यथासंभव स्वच्छ रखना चाहती हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी त्वचा को शांत करने के लिए बर्फ के टुकड़े का उपयोग करती हूं, और क्योंकि मेरी त्वचा बेहद संवेदनशील है, मैं पहले से ही उत्पादित किसी भी प्रकार के फेस मास्क का उपयोग करने से बचती हूं। लेकिन मैं घरेलू उपचार का समर्थन करती हूं और इसका सख्ती से पालन करती हूं। रचना ने कहा कि, अपने व्यस्त काम के बीच वह अपने लिए समय निकालना सुनिश्चित करती हैं और छुट्टी के दिनों में खरीदारी के लिए बाहर जाना पसंद करती हैं।

उन्होंने आगे कहा, चूंकि हम अक्सर बैक-टू-बैक शूट करते हैं, इसलिए अपने व्यस्त शेड्यूल से कुछ समय निकालना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। मेरे पास अक्सर दिन नहीं होते हैं, लेकिन मैं अपने परिवार के साथ समय विताते की पूरी कोशिश करती हूं। रचना ने कहा कि, आराम करने के लिए अपनी मां के साथ समय बिताने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। अभिनेत्री नियमित सामान खरीदने और घर के दैनिक कामों में अपनी मां की मदद करने के लिए बाहर जाती हैं। उन्होंने अंत में कहा, मैं किराने की खरीदारी पर जाती हूं और कुछ कामों में अपनी मां की सहायता करती हूं।

मिथुन चक्रवर्ती और पद्मिनी कोल्हापुरे ने प्यार झुकता नहीं की यादें सेट पर ताजा की

33 साल बाद, बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती और पद्मिनी कोल्हापुरे 1985 की अपनी फिल्म प्यार झुकता नहीं के कुछ पलों को सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स के सेट पर ताजा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। जहां दोनों कुछ मजेदार पलों को साझा करते हुए और एक साथ डांस करते हुए दिखाई देंगे। वहीं प्रतियोगियों ने फिल्म के कुछ हिट ट्रैक जैसे प्यार झुकता नहीं गाया, जो वर्ष 1985 की एक ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे, डैनी डेन्जोंगपा, असरानी और बिंदु शामिल हैं। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के गीत और संगीत भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए। यह 1977 में आई पाकिस्तानी फिल्म आइना की रीमेक थी। शो में पद्मिनी मिथुन को सुपरस्टार कहती हैं, आप सुपरस्टार हैं।

दूसरी ओर, मिथुन कहते हैं, झूठ बोल रही है। पहले दिन से लाइन मार रहा हूं भाव नहीं दिया अभी तक। सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स को नीति मोहन, शंकर महादेवन और अनु मलिक जज कर रहे हैं। यह जी टीवी पर प्रसारित होता है।

ब्लैक आउटफिट में गुलाब पकड़कर केट शर्मा दिखीं बेहद ग्लैमरस

एक्ट्रेस केट शर्मा आज सोशल मीडिया पर एक जाना माना नाम हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। वहीं, एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर की ड्रेस में अपनी हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में केट शर्मा ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने अपनी बोल्डनेस और कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रखी हैं। केट शर्मा अपनी हॉटी और ग्लैमरस तस्वीरें अक्सर अपने सोशल अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ब्लैक कलर की ड्रेस में अपनी क्लीवेज और टोंड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। काले रंग की ड्रेस में गोरा बदन देखकर फैंस बेकरार हो रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस की तस्वीरों को देखकर आहें भर रहे हैं। केट शर्मा किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरों को देखकर फैंस उनके दीवाने बने हुए हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने अक्टूबर 2018 में मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई पर मीटू के तहत गंभीर आरोप लगाए थे। केट शर्मा हर आउटफिट में अपना जलवा बिखेर ही देती हैं। उनकी तस्वीरों पर फैंस अपना जमकर प्यार बरसाते हैं। केट शर्मा भले ही फिल्मों में कुछ ज्यादा खास नहीं कर पाई हो लेकिन, इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 2.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

बिग बॉस 16 शो में दोबारा एंट्री करेंगी अर्चना गौतम

बिग बॉस 16 से निकाले जाने के बाद, प्रतियोगी अर्चना गौतम शो में फिर से प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शो के निर्माता अर्चना गौतम को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सलमान खान उन्हें फिर से पेश करेंगे या सप्ताहांत में वह फिर से प्रवेश करेंगी। सह-हाउसमेट शिव ठाकरे के साथ लड़ाई की वजह से अर्चना को बिग बॉस 16 का शो छोड़ना पड़ा था। क्योंकि दोनों के बीच की लड़ाई में अर्चना फिजिकल हो गई थी। घटना के बाद, प्रतियोगी शालिन भनोट, निमृत कौर अहलूवालिया को विरोध करते हुए और शो से अर्चना को बेदखल करने की मांग करते देखा गया था। बिग बॉस 16 का खुमार अपने चरम पर है। अर्चना गौतम का नाम शो के सबसे लोकप्रिय प्रतिभागियों में शामिल है।

शो का एक प्रोमो सामने आया है, जिसमें अर्चना शिव ठाकरे से झगड़ती हुई दिखी हैं। दोनों की लड़ाई हाथापाई तक पहुंच गई। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस प्रकरण के बाद अर्चना शो से बाहर हो गई हैं। उन्हें सीक्रेट रूम में भेजे जाने की चर्चाएं भी जोरो पर है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्चना को शो में वापस लाने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों का मानना है कि अर्चना शो की इकलौती इंटरटेनर हैं। उनका अंदाज फैंस को पसंद आता है। उनकी वापसी की मांग करते हुए एक यूजर ने लिखा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि वह कल से घर में नहीं होंगी। मैं उनके बिना शो नहीं देखूंगा। एक अन्य यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, वह अच्छा गेम खेल रही हैं और घर में रहने की हकदार हैं।

कुछ प्रशंसकों ने यह भी आरोप लगाया कि बिग बॉस एक पाखंडी शो है। प्रशंसकों के एक वर्ग को अर्चना का रवैया पसंद नहीं आ रहा है। कुछ लोगों को लगता है कि शो में यह सब जानबूझकर टीआरपी हासिल करने के लिए किया जाता है। बता दें कि शो के पिछले सीजन्स के दौरान प्रियांक शर्मा और विकास गुप्ता जैसे प्रतिभागियों को हिंसा के आरोपों में शो से बाहर कर दिया गया था।

बिग बॉस 16 का प्रसारण 1 अक्टूबर से कलर्स टीवी पर शुरू हुआ। अभी तक मात्र दो प्रतिभागियों का एलिमिनेशन हुआ है। इनमें श्रीजिता डे और मान्या सिंह का नाम शामिल है।

Hero
Authorised Dealer
KGN HERO
9907999822, 7974074371
Junwani Road, Near By Falaknuma Masjid, Kohka, Bhilai, E-Mail:kgnhero06@gmail.com

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

वैशालीनगर में चित्रगुप्त साहित्य समिति की काव्य गोष्ठी संपन्न

भिलाई। गत दिवस पुराना शिवमन्दिर प्रांगण वैशालीनगर में चित्रगुप्त साहित्य समिति की काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। गीतों, गजलों और कविताओं के सुमधुर भावपूर्ण प्रस्तुतियों से पांच घंटे भी अपूर्ण से लगे। उपस्थित मुख्य कवि कवित्री गणों में आचार्य पण्डित विनोद चौबे ,मुकेश भटनागर आवाज़(अध्यक्ष), डा. प्रबीर रंजन साकेत (उपाध्यक्ष), बुद्धसेन शर्मा(सचिव), अनिल पांडेय(कोषाध्यक्ष), प्रशांत सरल(समिति प्रबंधक), वीरेन्द्र तिवारी, बैकुंठ महानंद, आर एस यादव, अचानक चौधरी गोरखपुरी,यशवंत सूर्यवंशी, ओमवीर करन, चेतन भारती,गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश, रविशंकर भटनागर,श्रीमती शुचि भवि (उत्तम मंच संचालक) ,श्रीमती सोनिया सोनी,श्रीमती नीलम जायसवाल, सुश्री पुष्पलता साहू,श्रीमती अनुराधा बख़ूशी (उपाध्यक्ष) आदि के काव्य पाठों से वातावरण ऊर्जावान हो गया था। श्रोतागण भी आनंद का अनुभव किए और मंच संचालन की भूरी भूरी प्रशंसा करते रहे।

अंतर्जातीय विवाह करने वाले 8 दम्पत्तियों को 14 लाख 45 हजार रूपये का चेक वितरित

गरियाबंद। राज्य शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 8 दम्पतियों को 14 लाख 45 हजार 376 रूपये का चेक वितरित किया गया। राज्योत्सव के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के प्रथम पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा राजिम विधायक अमितेश शुक्ल ने अपने कर कमलों से दम्पत्तियों को राशि का चेक प्रदान किया। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बद्रीश सुखदेवे ने बताया कि अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत हितग्राही क्रमश: मोहित कुमार देवदास/पदमनी ग्राम फेलकर्रा, एकानंद बंजारे/हिमांशी ग्राम पोखरा, धनसाय नागेश/उषा सेन ग्राम नवापारा, घनश्याम भारती/सुरेखा निर्मलकर ग्राम आमदी, दिलीप बंजारे/पूजा सिन्हा ग्राम बकली, तिजाउ राम जगने/मुन्नी विश्वकर्मा ग्राम श्यामनगर, ग्राम चौबेबांधा उक्त प्रत्येक दंपत्ति को 1 लाख 80 हजार 672 रूपये का चेक प्रदान किया गया है।

महाराष्ट्र विधानमंडल के सदस्यों ने समुद्र में नौसेना के अभियान को देखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। मुंबई में सांसदों, विधायकों, एमएलसी और महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों के लिए 'डे एट सी' थीम पर आयोजित एक समारोह के दौरान पश्चिमी नौसेना कमान ने अपनी परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन किया। यह आयोजन समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से तटीय राज्यों के बीच अधिक से अधिक समुद्री जागरूकता पैदा करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप था।

कुल 25 विधायकों सहित 125 अतिथि और अधिकारी पश्चिमी बेड़े के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों आईएनएस चेन्नई, आईएनएस विशाखापत्तनम और आईएनएस तेग पर सवार हुए। इस कार्यक्रम ने मेहमानों को भारतीय नौसेना के जहाजों पर दिन-प्रतिदिन के नौसैनिक संचालन एवं जीवन को देखने का एक अच्छा अवसर प्रदान किया।

दिन के मुख्य आकर्षण में फास्ट अटैक क्राफ्ट द्वारा नकली हमला, वायु शक्ति प्रदर्शन, चेतक हेलीकॉप्टरों द्वारा खोजबीन एवं बचाव, सी किंग हेलीकॉप्टर द्वारा सोनार डंक ऑपरेशन, अंडरवे रेपलेनिश्मेन्ट और समुद्र में कर्मियों को स्थानांतरित करने जैसे अभ्यास शामिल थे। समुद्र में नौसैनिक अभियानों के सभी पहलुओं को गणमान्य व्यक्तियों को दिखलाने के लिए एक पनडुब्बी प्रदर्शन भी आयोजित किया गया।

माननीय विधान सभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर और माननीय मंत्री, चंद्रकांत दादा पाटिल जहाजों पर जाने वाले विशिष्ट व्यक्तियों में से थे। कमान के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की और उन्हें भारतीय नौसेना द्वारा किए गए संचालन का एक सिंहावलोकन प्रदान किया, जिसमें समुद्री क्षेत्र में देश के सामने आने वाले खतरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। 'डे एट सी' का उद्देश्य विधायकों और सरकारी अधिकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की समझ प्रदान करना तथा उन्हें समुद्र में जीवन की कठोरता व चुनौतियों से अवगत कराना था।

केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र को बढ़ावा देने राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। नवम्बर, 2021 में, माननीय राज्यमंत्री (पीपी) डॉ. जितेंद्र सिंह ने किसी भी एंड्रॉइड मोबाइल फोन के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का शुभारंभ किया था।

सभी पंजीकृत पेंशनभोगी संघों, पेंशन संवितरण बैंकों, भारत सरकार के मंत्रालयों और सीजीएचएस वेलनेस केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे पेंशनभोगियों के 'सुविधापूर्ण जीवन' सुनिश्चित करने के लिए, जीवन प्रमाणपत्र जमा करने हेतु डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र/फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन करें। इसी कड़ी में अवर सचिव के नेतृत्व में केंद्र सरकार की एक टीम प्रयागराज में थी। केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए प्रत्यक्ष कर भवन, एस. बी. आई, बमरौली शाखा, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में 11 नवम्बर, 2022 को एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया।

दिनांक 1.10.2022 से अब तक कुल 36,38,937 डीएलसी जनरेट किए गए, फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से कुल 1,93,768 डीएलसी जनरेट किए गए। केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए कुल 14,40,395 डीएलसी जनरेट किए गए तथा फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से कुल 1,20,145 डीएलसी जनरेट किए गए।

इस अभियान में पेंशनभोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक 92 वर्षीय पेंशनभोगी, श्री के.सी. गुप्ता भी फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए आए। उन्होंने इस नई तकनीक की शुरूआत पर अपनी प्रसन्नता और संतोष व्यक्त किया।

अपने मोबाइल फोन में फेस ऑथेंटिकेशन जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करने और अपने फोन से जीवन प्रमाणपत्र देने के संबंध में विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पेंशनभोगियों का मार्गदर्शन किया गया। जीवन प्रमाणपत्र 60 सेकंड के भीतर जेनरेट होता है और मोबाइल फोन पर एक लिंक भेजा जाता है जहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा डिजिटल दुनिया में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। अवर सचिव, श्री दीपक गुप्ता ने बताया कि पहले जीवन प्रमाणपत्र व्यक्तिगत रूप से देने के लिए वृद्ध पेंशनभोगियों को बैंकों के बाहर कतारों में घंटों खड़ा होना पड़ता था। अब, यह उनके घर से ही आसानी से एक बटन के क्लिक पर संभव हो गया है। मोबाइल द्वारा फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की प्रक्रिया में, आधार संख्या, ओटीपी के लिए मोबाइल नंबर, पीपीओ नंबर, बैंक/डाकघर के साथ खाता संख्या के बारे में ब्यौरे पहली बार आवश्यक हैं। यह सुविधा राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध है।

इस कार्यक्रम में बैंकों, पेंशनभोगी संघों, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय/एनआईसी और युआईडीएआई के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अभियान की सफलता के लिए इन हितधारकों की भागीदारी अमूल्य थी। अवर सचिव ने आयोजन के दौरान सभी प्रतिनिधियों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। विभाग फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए पूरे नवंबर माह में अभियान चला रहा है।

अपने सृजन से महात्मा गांधी का संदेश देने जुटे शिल्पकार-चित्रकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संस्कृति विभाग परिसर आर्ट गैलरी में कला अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित चित्रकला-मूर्तिकला शिविर में शिल्पकार-कलाकार अपनी कृतियों को आकार देने व्यस्त हैं। यहां आगंतुकों के लिए कलाकारों को सृजन के नए आयाम गढ़ते हुए देखना एक अलग अनुभव है। 7 नवंबर से 13 नवंबर तक चलने वाले इस शिविर में हिस्सा ले रहे शिल्पकार-कलाकार एक दूसरे की शैली से परिचित हो रहे हैं और अपनी कला और बेहतर ढंग से निखार रहे हैं।

योगेंद्र त्रिपाठी,अध्यक्ष कला अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद छत्तीसगढ़ शासन ने बताया कि महात्मा गांधी की स्मृति में उनके विचारों पर आधारित इस चित्रकला-मूर्तिकला कार्यशाला में कलाकारों ने बेहद सुंदर कलाकृतियां मौके पर सृजित की हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग के प्रांगण में आयोजित इस कला शिविर में राज्य के कई रतन कलाकार भाग ले रहे हैं।

यहां पर युवा चित्रकार एवं वरिष्ठ चित्रकार मूर्तिकार संग कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए व कलाकारों के लिए यह एक बेहद महत्वपूर्ण समय है। वरिष्ठ चित्रकार हुकुम लाल वर्मा ने यहां एकांत को दर्शाता एक चित्र कैनवास पर बनाया है। वे इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से जुड़े हुए प्रथम पंक्ति के चित्रकारों में से है और इनके बनाए चित्र आज विश्व में छत्तीसगढ़ की पहचान के रूप में जाने जाने जाते हैं प्रकृति व धान के खेत अपने चित्रों में विशेषकर दर्शाते हैं। चर्चित चित्रकार अमनुल हक ने यहां महात्मा गांधी की यात्रा का संदेश देता चित्र बना रहे है। जिसमें गांधी जी सागर के किनारे दांडी यात्रा निकलने से पहले एकांत में चलते हुए दिख रहे हैं। पैर में चप्पल पहने गांधीजी समुद्र किनारे आगे बढ़ते हुए उनके चित्र में दिखाई दे रहे हैं।

शिल्पकार राम कुमार इंदौरिया यहां शिविर में लकड़ी पर एक पुष्पगुच्छ का निर्माण कर रहे हैं। उनकी इस कृति में शांति का संदेश फैलाता एक भव्य पुष्प जमीन पर अपनी शाखाओं के साथ एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण करता नजर आ रहा है। मूर्ति कला की साधक करुणा सिदार ने महात्मा गांधी के संदेश को दिखाने का प्रयास किया है। बापू हाथ में पुस्तक लिया करते थे और कमर में घड़ी बांधा करते थे।

छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की धरती है, यहां चंपेश्वर धाम है वो शिवजी का उपवन है-पंडित प्रदीप मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिवपुराण कथा के आयोजन कार्यक्रम राजधानी रायपुर के दही हांडी मैदान में आयोजित की गई है कथा को सुनने प्रदेशभर से लाखों भक्त गण रायपुर आ रहे हैं कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले ने आज राजधानी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहिए।

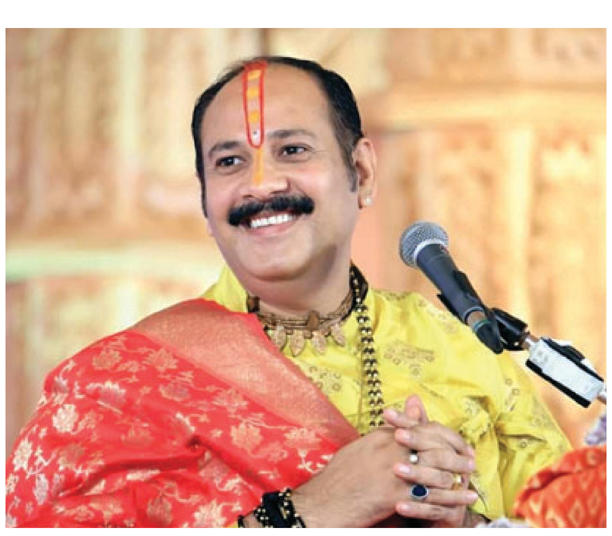

आज देखिए कि धर्म की चारों ओर से जड़ें खोदी जा रहीं हैं। हिंदी सिनेमा को साउथ की फिल्मों से सीख लेनी चाहिए जो भारतीय मूल्य और परंपराओं को अच्छे से पेश करते हैं।

इस पूरे विश्व में केवल और केवल सनातन धर्म था। जहां की जमीन खोद लो, कंकड़-कंकड़ में शंकर मिलेंगे। ज्ञानवापी मामले में कहा कि जो बाबा (भगवान शिव) चाहेंगे, वही होगा। गौरतलब हो कि आज ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट के साथ ही, वाराणसी के कोर्ट में सुनवाई है। सबकी नजर कोर्ट के फैसले पर है।

छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की धरती है। यहां चंपेश्वर धाम है, जो शिवजी का उपवन है। यानी छत्तीसगढ़ का शिवजी और राम, दोनों से सीधा संबंध है। धर्मान्तरण पर पंडित मिश्रा ने कहा, जो धर्मान्तरण करवा रहे हैं, पहले उनके माता पिता से पूछें कि वो कौन से धर्म से थे? उनके दादा ङ्क परदादा कौन से धर्म के थे। धर्मान्तरण कराने वालों को कहा कि ये उनकी विपरीत बुद्धि है, उन्हें ऊपर से प्रेशर रहता है, उन्हें इतना माल दिया जाता है कि उन्हें धर्मान्तरण कराना पड़ता है।

बताया कि उन्हें प्रसिद्धि हाल-फिलहाल में मिली है। उनका शुरुआती समय संघर्ष में बीता। बहन की शादी से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि बहन की शादी के समय नगर में एक सेठ के यहां भी शादी हुई। तब मैंने अपने परिवार के साथ उनके पास जाकर गुजारिश की कि आप अपनी सजावट रहने दीजिए। मैं इसी में अपनी बहन की शादी करवा लूंगा। मैंने बस अपने कर्म पर भरोसा किया और भोलेनाथ पर विश्वास किया। हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने कर्म पर ध्यान दे और भगवान पर विश्वास रखे।

उन्होंने कहा शिव भक्ति को लेकर हाल के दिनों में ज्यादा उत्साह देखने मिलता है। एक समय ऐसा भी था जब मैंने शिवलिंग पर 3-4 दिनों तक वही बिल्व पत्र चढ़े देखा। फिर मैंने नित्य शिवलिंग की साफ-सफाई कर शिवजी की सेवा शुरू की। भक्ति भावना पहले से ही थी। समय के साथ मुझे इसका प्रतिसाद भी मिला।

विश्व न्यूमोनिया दिवस पर विशेष

बच्चों को न्यूमोनिया से बचाएं, निःशुल्क पीसीवी का टीका लगाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। ठंड में छोटे बच्चों के निमोनिया से पीड़ित होने की संभावना अधिक होती है। यह सांस से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, यदि समय रहते उपचार नही किया जाए तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इसलिए प्रत्येक वर्ष 12 नवंबर को समुदाय को निमोनिया से बचाव, लक्षण और उपचार के प्रति जागरूक करने के लिए विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है।

इस सम्बन्ध में सीएमएचओ डॉ. आर.के.चतुर्वेदी ने बताया: बदलता मौसम व ठंड निमोनिया के संक्रमण की गंभीरता को बढ़ा सकता है। इसलिए शिशुओं की विशेष देखभाल जरूरी है। आमतौर पर निमोनिया का संक्रमण दो से पांच साल के बच्चों को जल्दी अपनी चपेट में लेता है, लेकिन कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता, बुजुर्ग व वयस्क भी इससे ग्रसित हो सकते हैं। न्यूमोनिया एक संक्रामक बीमारी है। बच्चों को होने वाले निमोनिया को टीकाकरण से रोका जा सकता है। बच्चों को न्यूमोकोकल कान्जुगेट वैक्सी्न यानी पीसीवी का टीका 6 सप्ताह, 14 सप्ताह एवं 9 वें महीने पर लगाने होते हैं। इस टीके को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पतालों में आवश्यक टीकाकरण की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। पीसीवी का टीका बच्चों को निमोनिया से बचाने में काफी असरदार है। इसलिए समय पर बच्चे का टीकाकरण कराएं, और उन्हें निमोनिया से बचाएं।

टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी.आर.मैत्री ने बताया: निमोनिया फेफड़ों का सबसे जटिल संक्रमण है, जो फैलने वाले वायरस या बैक्टीरिया के कारण होता है। निमोनिया तीव्र श्वसन संक्रमण का एक रूप है, जो फेफड़ों को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। इसका इलाज समय रहते ना करवाया जाए, तो इसमें जान भी जा सकती है। सफाई का ध्यान रखें, खांसते और छींकते समय बच्चे की नाक और मुंह पर रूमाल या कपड़ा रखें। कीटाणुओं को फैलने से रोकें, बच्चों के हाथों बार-बार साफ करते रहें। मौसम में बदलाव के कारण भी निमोनिया की आशंका बढ़ सकती है। यदि बच्चे की सांस तेज चल रही हो, उन्हें सांस लेने में कोई दिक्कत हो रही हो, छाती/ पसली अंदर धंस रही हो एवं तेज बुखार जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हों तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क करना चाहिए।

ज़िला साहू संघ उपाध्यक्ष महेश्वर साहू मनोनीत

राजनांदगांव। डोंगरगांव समीपवर्ती ग्राम बीजा भाठा के महेश्वर साहू को ज़िला साहू संघ राजनादगांव के उपाध्यक्ष पद पर ज़िला अध्यक्ष भागवत साहू जी ने मनोनीत किया गया। साहू ने समाज सेवा के क्षेत्र मे रचनात्मक गतिविधियों मे काफी सक्रिय रहे , उनके कार्यों की देखकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत शासन से सम्बद्ध नेहरू युवा केन्द्र ने ज़िला युवा अवार्ड से सम्मानित किया गया । दीवान भेड़ी मण्डल साहू समिति युवा प्रकोष्ठ के दो बार संयोजक , तहसील साहू युवा प्रकोष्ठ डोंगरगांव के उपाध्यक्ष , तहसील साहू संघ के सह सचिव, प्रवक्ता जैसे पदों मे सेवा दिऐ हैं । जिला साहू संघ युवा प्रकोष्ठ के दो बार उपाध्यक्ष तथा दुर्ग संभाग में भी उपाध्यक्ष के दायित्व संभाल चुके है ।

खास खबर

सोशल मीडिया से युवक की दोस्ती कर आबरू लूटा फिर की पैसे की मांग

दुर्ग। आज के समय में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को सोशल मीडिया की लत लग चुकी है। लोग सोशल मीडिया पर बिना कुछ सोचे समझे ही अनजान लोगों को अपना दोस्त बना लेते है। लेकिन जब सचाई सामने आती है तो उनके भी होश उड़ जाते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ भिलाई की रहने वाली एक युवती के साथ। यहां, एक युवती को सोशल मीडिया पर युवक से दोस्ती करना भारी पड़ गया। युवती ने जिस युवक से दोस्ती किया वही उसकी इज्जत का दुश्मन निकला और युवती की आबरू लूट ली। इतना ही नहीं युवक ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया और फिर युवती को धमकी देने लगा। आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती से 50 हजार रुपए की मांग की। जब युवती ने उसे पैसे नहीं दिए तब आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की। इन सब चीजों से परेशान होकर युवती भिलाई के खुर्सीपार थाना पहुंची और आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। मामले की शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने इस पुरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुबह 5 बजे घर से घूमने निकला वृद्ध लापता

अकलतरा (ए)। तरौद के वार्ड नंबर 17 सड़क पारा निवासी वृद्ध प्रहलाद सिंह (88 साल)9 नवंबर की सुबह 5 बजे घूमने के लिए घर से निकले थे। इसके बाद वे घर नहीं पहुंचे, परिजनों ने आसपास खोजबीन की गई लेकिन वृद्ध का पता नहीं चलने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। वृद्ध के पुत्र पुढेन्द्र सिंह ने बताया कि उसके पिता प्रहलाद सिंह सुबह उठने के बाद प्रतिदिन गांव में भ्रमण करने के लिए जाते हैं। 9 नवंबर को सुबह उठने के बाद सुबह 5 बजे गांव में निकले, घर वापस नहीं आने पर मां को शंका हुई। गांव के दो घरों में सीसीटीवी कैमरा लगे होने पर सीसीटीवी कैमरे में एक घर के सामने से सुबह 5.33 बजे व वार्ड नंबर 4 में दूसरे कमरे में सुबह 6 बजे मोहल्ले से गुजरते हुए दिखाई दिए गांव के लोगों से पूछताछ करने पर कुछ पता नहीं चला।

गुमशुदा बच्चों की तलाश में दुर्ग पुलिस की बड़ी सफलता

214 बच्चों की हुई तलाश, परिजनों की लौटी मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गुमशुदा बच्चों की तलाश में दुर्ग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीते कुछ वर्षों की अपेक्षा वर्ष 2022 में सबसे ज्यादा बच्चों की तलाश की गई। दुर्ग पुलिस द्वारा अभियान मुस्कान के तहत 214 बच्चों को बरामद किया है। इनमें से 179 बच्चे वर्ष 2022 में गुम हुए थे और शेष 35 बच्चे पूर्व के वर्षों में गुम हुए थे। सभी बच्चों को सकुशल उनके परिजनों को सौंपा गया है।

दुर्ग जिले में गुमशुदा बच्चों के तलाश के लिए मानव तस्करी सेल गठित किया गया है। इसके माध्यम से प्रत्येक लंबित प्रकरणों की पुन: समीक्षा की गई। गठित टीम एवं संबंधित थाना प्रभारियों द्वारा गुमशुदा बच्चों के परिजनों एवं ग्रामीणों से संपर्क कर पूछताछ किया गया। गुमशुदा तथा संबंधितों के मोबाईल डाटा, लोकेशन एवं सोशल मीडिया का भी सहारा लेकर अलग-अलग राज्यों को भी पुलिस टीम भेजी गई।

दुर्ग पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर चलाये गये अभियान के कारण पूर्व के वर्षों में गुम 35 बच्चों व 2022 में गुम 179 बच्चों सिहत कुल 214 बच्चों को ढूंढने में पुलिस को सफलता मिली है। इनमें 22 बच्चों को अन्य राज्य तेलगांना, पंजाब, उड़िसा, गुजरात, महाराष्ट्र एवं उत्तरप्रदेष से सकुशल बरामद किया गया। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे इस विषेष अभियान ने कई परिवारों के चेहरे में मुस्कान ला दी है। अभियान की सफलता को देखते हुए अभियान को आगे भी जारी रखने का निर्देश एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने दिया है।

जानें कहां से कितने बच्चे बरामद

दुर्ग पुलिस द्वारा गुमशुदा बच्चों की बरामदगी का आंकड़ा देखें तो सर्वाधिक गुमशुदा बच्चों की तलाश कोतवाली दुर्ग क्षेत्र के बच्चों की हुई है। इस थाने के 24 बच्चों को उनके घर पहुंचाया गया। इसके अलावा पुलगांव 19, सुपेला 18, छावनी 18, मोहन नगर 15, पुरानी भिलाई 15, जामुल 15, नेवई 12, नंदनी नगर 11, खुर्सीपार 9, वैशाली नगर 9, भिलाई नगर 8, धमधा 8, उतई 7, अमलेश्वर 7, बोरी 5, कुम्हारी 5, पाटन 4, जामगांव आर 2, अण्डा 2 तथा थाना भिलाई भट्ठी से गुम 1 बच्चे की तलाश की गई।

आईएएस सहित कोयला कारोबारी रहेंगे जेल में, आरोपियों को कोर्ट से नहीं मिली राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। करोड़ों के लेनदेन में फंसे आईएएस समीर विश्नोई सहित कोयला कारोबार से जुड़े लक्ष्मीकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल और सूर्यकांत तिवारी को 12 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। रायपुर सत्र न्यायालय में लगभग तीन घंटे तक सुनवाई के बाद कोर्ट ने इन्हें किसी प्रकार की राहत नहीं दी है और सभी को जेल भेज दिया है।

बता दें छत्तीसगढ़ के आईएएस अफसर समीर विश्नोई के यहां प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारकर 47 लाख रुपए कैश और दो करोड़ रुपए कीमत के गहने बरामद किए थे। उसके बाद विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में समीर को निलंबित भी कर दिया गया था। तब से आईएएस समीर विश्नोई ईडी के सिकंजे में हैं। इधर कोर्ट रूम से बाहर आने के बाद सूर्यकांत तिवारी ने कहा कि उनके साथ राजनीतिक षड़यंत्र हुआ है और जल्द में कोई बड़ा बम फोड़ेंगे।

23 नवंबर को फिर होगी पेशी

शुक्रवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए आईएएस समीर विश्नोई सहित सभी को 12 दिन की न्यायिक रिमांड दी है। अब इस मामले में 23 नवंबर को फिर से सभी आरोपियों को पेश किया जाएगा। यानी इस मामले में अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी।

पति को था चरित्र पर शक: पहाड़ से धक्का देकर की पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पत्नी को पहाड़ से धक्का देकर हत्या करने का मामला सामने आया। खल्लारी माता के मंदिर दर्शन के लिए पत्नी को लेकर जाने वाले शख्स से पहाड़ी से अपनी पत्नी को धक्का दे दिया। इसके बाद अपने ससुराल यानी पत्नी के मायके वालों को फोन कर सेल्फी लेने के दौरान पत्नी का पैर फिसलने की कहानी बता दी। लेकिन उन्हें यह बात कुछ हजम नहीं हुई और थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। अब इस मामले में पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल यह पूरा घटनाक्रम पांच दिन पहले का है। 7 नवंबर को कुम्हार पारा महासमुंद का रहने वाला वीरेन्द्र चक्रधारी खल्लारी थाने पहुंचा और अपनी बहन चित्ररेखा की संदिग्ध मौत की जानकारी दी। उसने अपनी शिकायत में बताया कि उसके दामाद सोनूराम चक्रधारी ने फोन कर बताया कि उसकी बहन सेल्फी लेने के चक्कर में पहाड़ी से गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। वीरेन्द्र चक्रधारी ने पुलिस के समक्ष इस हादसे पर शंका जताई।

जांच के दौरान पुलिस ने सोनूराम चक्रधारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अपनी पत्नी व भांजी के साथ खल्लारी माता के मंदिर गया था। पहाड़ी से सेल्फी लेने के दौरान वह गिर गई। इसके बाद पुलिस ने उसकी भांजी से पूछताछ की तो उसने बताया कि दर्शन के बाद नीचे उतर गए थे उसके बाद मामा फिर मामी को लेकर ऊपर गया था। अब पुलिस ने सोनूराम से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। दरअसल सोनूराम को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था और इसी शक के कारण उसने उसकी हत्या का प्लान बनाया और खल्लारी के पहाड़ी से उसे धकेल कर मौत के घाट उतार दिया। खल्लारी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ट्रैफिक पुलिस ने तीन घंटे में 153 गाड़ियों पर की कार्रवाई

धमतरी (ए)। जिले में सड़क हादसे लगातार हो रही है। दुर्घटना में मौत का ग्राफ भी बढ़ते क्रम पर है। हादसे रोकने ट्रैफिक पुलिस ने 10 नवंबर को नेशनल व स्टेट हाईवे पर विशेष यातायात सुरक्षा अभियान चलाया। सड़कों पर बेतरतीब ढंग से खड़ी 153 वाहनों का चालान काटा। ड्राइवर व मालिकों से 30 हजार रुपए जुर्माना वसूला है। जानकारी के मुताबिक रक्षित निरीक्षक व यातायात प्रभारी केदेव राजू ने यह कार्रवाई की। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एंव यातायात नियमों का पालन कराने के उद्देश्य से हाईवे पर पेट्रोलिंग की।

दिनदहाड़े 5 लाख की उठाईगिरी

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी

बिलासपुर (ए)। न्यायधानी बिलासपुर में प्राइवेट संस्थान में काम करने वाला मैनेजर 5 लाख 68 हजार रुपए की उठाईगिरी का शिकार हो गया। मैनेजर बैंक से पैसे निकालकर जा रहा था। रास्ते में वह जूस पीने के लिए रूका। तभी वहां बाइक सवार दो युवक आए और उसके कपड़े में कीड़े होने का झांसा दिया। मैनेजर ने जैसे ही अपना बैग उतार कर कीड़े में उलझा, तब तक बाइक सवार बदमाश उसका बैग उठाकर भाग निकले। इस घटना के दौरान पुलिस अफसर और जवान सीसीटीवी ड्यूटी में व्यस्त रहे, जिसके चलते अभी तक आरोपियों का कुछ पता नहीं चल सका है।

दुर्ग, भिलाई के बाद बिलासपुर में उठाईगिरी की एक जैसी घटना सामने आई है। पुलिस को किसी एक ही गिरोह पर इन वारदातों को अंजाम देने का शक है। बिलासपुर में मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस की माने तो जल्द ही आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। व्यापार विहार स्थित राधेश्याम इंटरप्राइजेस में विक्की पैगवार मैनेजर हैं। वह संस्थान के बाहरी लेनदेन और बैंक संबंधित काम देखता है। शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे मैनेजर विक्की सेंट्रल बैंक में रुपए निकालने गया था। बैंक से उसने चार लाख रुपए निकलवाए। इसके बाद वह तितली चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक गया। वहां भी उसने एक लाख 68 हजार रुपए निकलवाया। रुपयों को बैग में रखकर वह सिरगिट्टी तरफ जाने के लिए निकला था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 7266 /नि.प्र. क्र.–10/लो.नि.वि./2022-23 दुर्ग, दिनांक 09/11/2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 17/11/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 28/11/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 29/11/2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0175	11KV / 33KV work at Bharda to Achhoti, District Durg. (3rd Call)	10.00 Lacs
(2) T0176	LT Line / DP work at Sirsakala to Devbaloda Road, District Durg. (3rd Call)	17.72 Lacs
(3) T0177	11KV / Transformer work at Sirsakala to Devbaloda Road, District Durg. (3rd Call)	16.46 Lacs
(4) T0178	11KV / 33KV work at Kaivalyadham Kumhari Road, District Durg. (2nd Call)	7.80 Lacs
(5) T0179	11KV / 33KV work at Aamti to Achhoti, District Durg. (2nd Call)	14.00 Lacs
(6) T0180	11KV / 33KV work at Achhoti to Albaras, District Durg. (2nd Call)	15.00 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्ते का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीप:- (1) The Tender forms will be issued only to the contractors having "A" class valid license from chief Electrical Inspector of C.G. Govt. and unified Registration system of C.G. Govt.
(2) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेगा।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

जी-95654-4

फायर ब्रिगेड कर्मी से लूट: पांच माह बाद हाथ आए आरोपी, नशे का सामान खरीदने किया था कांड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुम्हारी थाना क्षेत्र में फायर ब्रिगेड कर्मी के आंखों में मिर्ची पाउडर झोंककर चाकू की नोक पर लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। घटना के पांच माह बाद आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने यह पूरा कांड नशे का सामान खरीदने पैसे जुटाने के लिए किया था।

बता दें यह घटना 6 जून 2022 की है। ग्राम जेवरा निवासी जितेन्द्र ध्रुवे ने कुम्हारी थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह फायर ब्रिगेड ऑफिस रायपुर में काम करता है और ड्यूटी से लौटते समय कुम्हारी के चेटुवा पुलिया के पास

रात 10:45 बजे मोटर सायकल पर सवार 3 लड़कों ने उसे रोका। आँख में मिर्ची पाउडर फेंक-कर, हाथ-मुक्का एवं चाकू से मारपीट करते हुए वीवो कंपनी का मोबाईल फोन व पर्स लूट कर भाग गए। पर्स में आधार कार्ड, एटीएम, ड्रायविंग लायसेंस, पेन कार्ड, आईडी कार्ड व 1700 रूपए नगद को लूटकर भाग गए। इस मामले में धारा 394,34 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जांच के दौरान प्रार्थी से पूछताछ के बाद पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी लेकिन कुछ पता नहीं चल पा रहा था। इस दौरान आदतन अपराधियों व जेल से रिहा हुए अपराधियों से पूछताछ कर पतासाजी के प्रयास किया गया लेकिन आरोपियों का पता नहीं चल पाया। घटना के पांच माह बीतने के बाद मुखबिर से पता चला कि ग्राम लिमतरा निवासी शाहिल बंजारे, सान्याल चंद्रवंषी और एक नाबालिग लड़का नशा करके मोटर साइकिल पर देर रात तक घूमते रहते हैं।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इन नशेडियों पर नजर रखना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने तीनों को देररात में घूमते पकड़ा। तीनों से कड़ाई से पूछताछ की और तलाशी के दौरान फायर कर्मी से लूटा गया मोबाइल मिला। इसके बाद आरोपी टूट गए और 6 जून की घटना को उन्हीं के द्वारा अंजाम दिए जाने की बात सामने आई। पुलिस ने आरोपियों के पास से वीवो कंपनी का स्मार्ट फोन एवं पर्स बरामद किया। पर्स में आधार कार्ड, एटीएम, ड्रायविंग लायसेंस, पेन कार्ड, आईडी कार्ड के साथ 330 रुपए भी बरामद किया गया। साथ ही मोटर साइकिक सीजी 04 एलसी 2798 को भी जब्त किया गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

ओर हैंडलिंग प्लांट ने दर्ज किया सर्वश्रेष्ठ पाली डिस्पैच का नया रिकॉर्ड

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट ने 10 नवम्बर, 2022 को रात्री पाली में 14,570 टन कच्चे माल का डिस्पैच कर, 09 नवम्बर, 2022 को स्थापित 14,180 टन के प्रथम पाली के पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए नया रिकॉर्ड दर्ज किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने ओएचपी बिरादरी को उसके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री से जिला सहकारी बैंक के नवनियुक्त अध्यक्ष ने सौजन्य भेंट की

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हिमाचल प्रदेश से लौटते ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने सीएम से सौजन्य मुलाकात की और अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजेंद्र को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिला सहकारी बैंक और इससे जुड़े सेवा सहकारी समितियों का मुख्य कामकाज किसानों से संबंधित है। किसानों के हित में बैंक और समितियों से संबंधित सेवाओं और समस्त कार्यप्रणाली को उत्कृष्ट बनाएं, ताकि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। राजेंद्र साहू ने कहा कि वे पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। राजेंद्र साहू ने बाद में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से भी सौजन्य मुलाकात की और मार्गदर्शन मांगा। ताम्रध्वज साहू ने राजेंद्र को दुर्ग जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान कांग्रेस नेता सुरेश देवांगन, सरोज यादव, छोटे लाल यादव, राकेश सिन्हा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आयुक्त ने किया अधिकारियों के साथ डामरीकरण कार्य का औचक निरीक्षण

दुर्ग। आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने क्षेत्र सड़कों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने वार्ड 11 हरनाबाधा से भाटिया नर्सिंग होम तक सड़क डामरीकरण निर्माण कार्यो का पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि अधिकारी निर्माण कार्य को अपनी निगरानी में करवाये, डामरीकरण कार्य को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत नही आनी चाहिए। विभागीय अधिकारी को गुणवक्ता लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के मौके पर कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे, उपअभियंता विकास दमाहे सहित अन्य मौजूद थे। उन्होंने कहा की विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा वार्डो में लगातार भूमिपूजन किया जा है। सभी कार्यो को प्रारंभ करते जाये। सड़क डामरीकरण व सीमेंटीकरण कार्य समय सीमा पर पूरा कर लिया जावे। आयुक्त ने कहा नागरिकों की सुविधा के लिए सड़क डामरीकरण कार्य बेहतर क्वालिटी से करने कहा।

सहायक ग्रेड 3 संविदा पद पर नियुक्ति के लिए दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। संविदा नियुक्ति सहायक ग्रेड 03 पद हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण उपरान्त पात्र एवं अपात्र की सूची प्रकाशित की गई है। आवेदक 14 नवंबर 2022 तक कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से 05 बजे के मध्य दावा आपत्ति कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग में प्रस्तुत कर सकते है। यदि किसी आवेदक का नाम दावा आपत्ति सूची में नही है तथा उन्होने आवेदन डाक के माध्यम से प्रेषित किया था, ऐसी स्थिति में आवेदक से आवेदन के साथ रजिस्ट्री / स्पीड पोस्ट के रसीद की मूल प्रति प्रस्तुत किए जाने पर जांच उपरांत आवेदन स्वीकार / शामिल किए जाने के संबंध में विचार किया जाएगा। दावा आपत्ति हेतु आवेदन प्राप्त होने के उपरान्त दिनांक 17 नवंबर 2022 तक मेरिट सूची प्रकाशित की जाएगी।

सीएम भूपेश बघेल के निर्देश के बाद प्रदेश भर में शुरू हुई योजना

भिलाई के 35 बच्चों का घर बैठे बना आधार कार्ड, मितान योजना का मिल रहा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई वासियों के लिए खुशी की खबर है। 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड घर बैठे ही बन जाएगा। मुख्यमंत्री मितान योजना से अब 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड भी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए मितान योजना में इसे शामिल करते हुए 1 नवंबर 2022 से इसका शुभारंभ किया है। भिलाई में 35 बच्चों के आधार कार्ड बनाकर उन्हें घर पर दिए जा चुके हैं तथा मितान योजना के माध्यम से कई लोगों ने अपने मोबाइल नंबर भी अपडेट करवाएं हैं।

अब छोटे बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों को मशक्कत करने की जरूरत नहीं है। शून्य से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड मितान योजना के माध्यम से बनेगा और घर बैठे उन्हें आधार कार्ड प्राप्त हो जाएगा। एक फोन कॉल के बाद मितान की टीम घर आकर स्वयं बच्चों का आधार कार्ड बनाने का काम करेगी। इसके लिए मितान योजना के टोल फ्री नंबर 14545 पर संपर्क करना होगा।

इस सुविधा के बाद लोगों को अपने बच्चों को भीड़भाड़ में लेकर जाने व कतार में लगकर परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। आधार कार्ड आज के समय में व्यक्ति का पहचान पत्र होने के साथ ही सबसे अहम दस्तावेज है और इसके बिना अनेकों कार्य अटक सकते हैं।

आधार कार्ड बनवाने के लिए छोटे बच्चों को चॉइस सेंटर लेकर जाना कठिन कार्य है। इसके साथ ही बच्चों को भीड़ में लेकर जाना और कतार में लगकर आधार बनवाना आसान नहीं है। इसीलिए ज्यादातर परिजन बच्चों का आधार कार्ड बनवाने से घबराते हैं। लेकिन अब इसकी चिंता प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दूर कर दी है। अब आसानी से बच्चों का आधार कार्ड मितान योजना के माध्यम से बनवाया जा सकता है, इसके साथ ही लोग अपने आधार कार्ड में मोबाइल नंबर भी सुधरवा सकते हैं।

इसके अलावा मितान योजना के माध्यम से घर बैठे जन्म, मृत्यु, शादी, प्रमाण पत्र के साथ ही जाति प्रमाण पत्र, आय, निवास प्रमाण पत्र व गुमास्ता लाइसेंस की सुविधाएं भी मिल रही है और घर बैठे यह सभी प्रमाण पत्र प्राप्त हो रहे हैं। अब इसमें बच्चों के आधार कार्ड बनाने की योजना को भी शामिल कर दिया गया है। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लोगों को दिलाने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

ऊर्जा प्रबंधन विभाग द्वारा गैस क्लीनिंग प्लांट-7 का सफल और सुचारू रूप से संचालन प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के गैस क्लीनिंग प्लांट-7 को ब्लास्ट फर्नेस-7 के साथ अगस्त 2021 से कैपिटल रिपेयर में लिया गया था। गैस क्लीनिंग प्लांट-7 के कैपिटल रिपेयर संबंधी सभी कार्यों को करने के लिए टीम ईएमडी ने प्रारंभ से ही कमर कस ली और पूरे संसाधनों के साथ कैपिटल रिपेयर को पूर्ण कर इस गैस क्लीनिंग प्लांट-7 को 27 अक्टूबर, 2022 को कमीषनिंग कर इसका पुनः सफल एवं सुरक्षित संचालन प्रारंभ किया गया।

इस क्रम में गैस क्लीनिंग प्लांट-7 के माध्यम से ब्लास्ट फर्नेस-7 को गैस नेटवर्क से जोड़ने की महत्वपूर्ण तथा चुनौतीपूर्ण गतिविधि को सुरक्षित रूप से निष्पादित किया गया।

इस कैपिटल रिपेयर और मॉडिफिकेशन जॉब्स का मुख्य आकर्षण है एजीई का पूर्ण प्रतिस्थापन, जो गैस क्लीनिंग प्लांट का एक अहम और महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अतिरिक्त नए एचएमआई/पीएलसी के साथ पूर्ण ऑटोमेशन सिस्टम का उन्नयन व प्रतिस्थापन, एक सुरक्षित आइसोलेषन के लिए जल लाइन प्रणाली में एक नये यू-सील की स्थापना, हाइड्रोलिक प्रणाली का पूर्ण सुधार, गैस प्रणाली में सुरक्षा संवर्धन हेतु सेमी क्लीन गैसलाइन में लगे पॉल-वर्थ बूस्टर का बड़े पैमाने पर मरम्मत एवं समुचित मॉडीफिकेषन कार्य। इसके अलावा इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और इंस्ट्रुमेंटेशन के मरम्मत का काम सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। जिससे गैस क्लीनिंग प्लांट -7 की सुचारू और निर्बाध कमीशनिंग संभव हो सकी। इस दौरान कई सुरक्षा उपायों का क्रियान्वयन किया गया जैसे कि प्रत्येक पीडब्ल्यू सेमी-क्लीन गैस बूस्टर के इनलेट और आउटलेट में थ्रॉटल्स लगाए गए।

महत्वपूर्ण माप उपकरणों में अतिरिक्त वाल्व का प्रावधान किया गया जिससे रखरखाव के लिए सुरक्षित आइसोलेषन प्राप्त हो सके। संपूर्ण गैस क्लीनिंग प्रक्रिया में अधिक सुरक्षित संचालन के लिए यूटिलिटी पाइपलाइनों में कई प्रेषर गेज और हैंडहोल्ड लगाए गए। इसके अतिरिक्त जीसीपी-7 कंट्रोल रूम के पूर्ण नवीनीकरण का विशेष कार्य प्रगति पर है।

जिला योजना समिति के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम तय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के नगरी निकायों के निर्वाचित सदस्यों एवं जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाएगा। जिसमें सदस्यों की संख्या जिला पंचायत (ग्रामीण) में 6, नगर पालिक निगम दुर्ग में 2, नगर पालिक निगम भिलाई में 5, नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा में 1, नगर पालिक निगम रिसाली में 1, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत में 1 निर्धारित किया गया है। जिला योजना समिति निर्वाचन हेतु पीठासीन अधिकारी डिप्टी कलेक्टर जागेश्ववर कौशल और सहायक पीठासीन अधिकारी उप संचालक जिला योजना सांख्यिकी दुर्ग डीएस वर्मा होंगें।

जिला योजना समिति का निर्वाचन 2022 से संबंधित कार्यक्रम मतदाता सूची का प्रकाशन 9 नवंबर को जिला पंचायत, नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत में किया गया। मतदाता सूची दावा आपत्ति जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग कक्ष क्रमांक 06 में 24 नवंबर 2022 को, समय 11 बजे से 1 बजे तक। नाम निर्देशन करने की प्रारंभ तिथि 28 नवंबर 2022 को समय 11 बजे से 1 बजे तक और अंतिम तिथि 30 नवंबर 2022 को समय 11 बजे से 1 बजे तक, जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग कक्ष क्रमांक 6 में किया जाएगा। समय 11 बजे से 1 बजे तक तथा नाम निर्देशन पत्रों की वापस लेने की तिथि 2 दिसंबर को जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग कक्ष क्रमांक 6 में समय 11 बजे से 1 बजे तक है। 5 दिसंबर को निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना एवं निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन, जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग कक्ष क्रमांक 06 में समय 11 बजे से 1 बजे तक और निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यार्थियों की सूची का प्रकाशन समय 11 बजे से 1 बजे तक जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय दुर्ग कक्ष क्रमांक 6 में किया जाएगा।

निगम ने अतिक्रमण हटाने बरती सख्तीः स्कूल के बाऊंड्री की आड़ में मछली और चिल्ली बेचने वालों को खदेड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल के बाऊंड्रीवाल की आड़ में मछली और चिकन बेचने वालो को निगम ने खदेड़ा। लगातार नोटिस देने के बाद भी व्यापार नहीं समेटने पर आयुक्त आशीष देवांगन ने स्कूल क्षेत्र के आस पास अतिक्रमण हटाने निर्देश दिए।

दर्जनभर फुटकर व्यापारियों ने बाऊंड्रीवाल को आड़लेकर अस्थाई ठेला खोमचें का निर्माण कर रखा था। उल्लेखनीय है कि स्कूल गेट से कुछ ही कदमों की दूरी पर मछली, चिकन चिल्ली का दुकान लगने से मांस की बदबू कक्षा तक पहुंच रही थी। वहीं ठेला लगे होने की वजस आस पास फुटकर व्यापारी लगातार सड़क की जमीन को कब्जा कर अस्थाई रूप से निर्माण करना शुरू कर दिया था। स्कूल का वातावरण लगातार बिगड़ने की शिकायत पालक समिति व शाला प्रबंधन कर रहा था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग प्रभारी संजय वर्मा व जनस्वास्थ्य विभाग के बृजेन्द्र परिहार की उपस्थिति में अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

सामानों को किया जब्त

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान निगम के तोडू दस्ते ने अस्थाई निर्माण करने उपयोग में लाए बांस, बल्ली और चटाई को जब्त कर लिया। वहीं ठेला व टिन शेड को फुटकर व्यापारियों के सुपुर्द किया गया। यहां पर चिकन चिल्ली, मछली समेत सब्जी, चाय नास्ता व सेलून का व्यापार किया जा रहा था।

कलेक्टर ने मार्ग व्यवस्थित करने दिए थे निर्देश

उल्लेखनीय है कि 2 माह पूर्व कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने रिसाली क्षेत्र का विजिट किया था। तब वे स्कूल भी पहुंचे थे। स्कूल के बाऊंड्रीवाल से दुकान लगा व सड़क किनारे की जमीन नजर नहीं आने से कलेक्टर ने मार्ग को व्यवस्थित करने निर्देश दिए थे।

संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है, यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में भिन्न- भिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैंः आचार्य डॉ. विक्रांत दुबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गंजपारा स्तिथ श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर के प्रांगण में चल रहे संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य डॉ. विक्रांत दुबे जी महाराज ने भगवान के चौबीस अवतारों की कथा के साथ-साथ समुद्र मंथन की बहुत ही रोचक एवं सारगर्भित कथा सुनाते हुए कहा कि यह संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है। यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में भिन्न- भिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं। जब-जब कोई अपने गलत कर्मो द्वारा इस संसार रूपी भगवान के बगीचे को नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करता है तब-तब भगवान इस धरा धाम पर अवतार लेकर सजनों का उद्धार और दुर्जनों का संघार किया करते हैं ।

कथा के प्रारंभ में श्री भागवत भगवान का पूजन कर आरती उतारी गई और कथा सहयोगी आचार्य डॉ. चन्द्रकांत दुबे के साथ पुष्प कथा के बीच बीच में महाराज श्री ने भागवत भजन के द्वारा माहौल को भागवत मय एवं भक्ति मय बना दिया। कथा सुनने के लिए आस पास के लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है । कथा वाचक आचार्य डॉ. विक्रांत दुबे जी ने बताया कि किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे है वहां आपका, अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान हो। यदि ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर जाना नहीं चाहिए। चाहे वह स्थान अपने जन्म दाता पिता का ही घर क्यों हो। कथा के दौरान सती चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए भगवान शिव की बात को नहीं मानने पर सती के पिता के घर जाने से अपमानित होने के कारण स्वयं को अग्नि में स्वाह होना पड़ा। भक्त ध्रुव द्वारा तपस्या कर श्रीहरि को प्रसन्न करने की कथा को सुनाते हुए बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है। भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है। कथा के दौरान आचार्य जी ने बताया कि पाप के बाद कोई व्यक्ति नरकगामी हो, इसके लिए श्रीमद् भागवत में श्रेष्ठ उपाय प्रायश्चित बताया है।

प्रह्लाद चरित्र के बारे में विस्तार से सुनाया और बताया कि भगवान नृसिंह रुप में लोहे के खंभे को फाड़कर प्रगट होना बताता है कि प्रह्लाद को विश्वास था कि मेरे भगवान इस लोहे के खंभे में भी है और उस विश्वास को पूर्ण करने के लिए भगवान उसी में से प्रकट हुए एवं हिरण्यकश्यप का वध कर प्रह्लाद के प्राणों की रक्षा की।

आज की कथा में श्रीमती तरुण पांडेय, मिथला देवी शर्मा, चन्दा शर्मा, सरिता शर्मा, नीलू पण्डा, चंचल शर्मा, किरण सेन, मोना शर्मा, सुनीता गुप्ता, प्रभा शर्मा, कुलेश्वरी जायसवाल, सरिता वर्मा, माया वर्मा, ललिता सिन्हा, रुकमणी सिन्हा, लक्ष्मी यादव, किरण यादव आदि लोग उपस्थित थे।

सड़क किनारे पड़े कबाड़ वाहन एवं सड़क पर बेखौफ दुकान लगाने वालों की अब खैर नही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत इन दिनों मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान जोर शोर से चल रहा है।निगमायुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर निगम अधिकारी लगातार सुबह होते ही शहर के मुख्य मार्गों पर कार्रवाही करने पहुँच जाते है। निगम टीम को देखते ही कब्जाधारियों में अफरा तफरी का माहौल दिखाई देता है,छोटे दुकानदार अपने ठेले खोमचे लेकर भागते हुए नज़र आते हैं। शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान में लगे नगर निगम के टीम सहायक राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,उप सहायक निरीक्षक चंदन मन्हारे,उप सहायक निरीक्षण निशान्त यादव, शशिकान्त यादव व टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटवा रहे हैं। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के निर्देश के बाद लगातर शहर में निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत अभियान शुरू किया।आज टीम ने सिकोला भाठा चौक से होते हुए एमएमआई चौक से लेकर ग्रीन चौक के आस पास और स्टेशन चौक तक अतिक्रमण तिरपाल व बांस ही लगे को निकलवाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने कई ठेलों व स्टॉल्स और सड़क किनारे किनारे से कबाड़ व कंडम वाहनों सहित सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों को हटवाया। नाली के ऊपर किये गए निर्माण और अतिक्रमण पर निगम प्रशासन बेहद सख्त है।

छत्तीसगढ़ में बसा मिनी तिब्बत भी है कुछ खास

छत्तीसगढ़ न केवल भारत का हृदय है बल्कि यहां मध्यभारत का फेफड़ा कहलाने वाले हसदेव अरण्य के जंगल भी हैं. यहां महानदी के चौड़े पाटों पर समुद्र तट का अहसास है तो मैनपाट की वादियों में हिमालय की गोद में बसे तिब्बत की भी झलक है. जी हां! हम बात कर रहे हैं मैनपाट की पहाड़ियों पर बसे मिनी तिब्बत की. यह एक अलग जीवन शैली है. तिब्बती शरणार्थियों की जीवन शैली हर किसी को आकर्षित करती है. यहां तिब्बतियों के सात कैंप हैं. 1962 में जब बौद्धों पर तिब्बत में संकट आया और दलाई लामा को निर्वासित होने पड़ा, तब भारत ने उन्हें तिब्बत से मिलती जुलती आबोहवा वाली इन पहाड़ियों पर उन्हें बसा दिया. यहां इनके सात कैंप हैं. तिब्बतियों का मकान, घरों के सामने लहराते झंडे और मठ-मंदिर अनायास ही तिब्बत की याद दिला देते हैं. तिब्बतियों की शिक्षा के लिए उसी दौर में सेंट्रल स्कूल और सिविल अस्पताल की स्थापना भी यहां की गई थी. शिक्षा, स्वास्थ्य को लेकर तिब्बती समाज के लोगों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसे देखते हुए आरंभ की गई सुविधाएं आज भी बरकरार हैं. तिब्बत से आने के बाद भी समाज के लोग अपनी मूल संस्कृति और सभ्यता से दूर नहीं हुए हैं. यही मिनी तिब्बत आज उन लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया है जो हिमालय की गोद में जाकर थोड़ा समय तो व्यतीत करना चाहते हैं पर उनके पास साधन-संसाधनों का अभाव है. उन्हें यह सुविधाएं यहां के स्थानीय युवा उपलब्ध करा रहे हैं. शीत ऋतु का आरंभ होने के साथ ही मैनपाट सैलानियों से पट जाता है. पहले जहां लोग केवल होटलों की सुरक्षा में ठहरना पसंद करते थे, वहीं अब वे खुले में कैंप करने की तरफ झुक रहे हैं. युवाओं ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है. दो साल पहले इन कैंपों की शुरुआत की गई थी. लोगों का रुझान बढ़ता गया और इस साल सौ से अधिक तंबू लगाए जा रहे हैं. हवा भरकर गुब्बारे की तरह फुलाए गए इन तंबुओं में बिस्तर, रोशनी की व्यवस्था है. वहीं बाहर पहरेदारी की भी चाकचौबंद व्यवस्था है ताकि लोगों को सुरक्षा का अहसास होता रहे. धुंध, बर्फीली हवाएं और चारों तरफ बिखरी हरी-भरी वादियों की छटा लोगों को एक ऐसी दुनिया की सैर करा लाते हैं कि वे सहसा भूल जाते हैं कि वे छत्तीसगढ़ में हैं. दरअसल, युवा छत्तीसगढ़ में ऐसी परिस्थितियों का निर्माण हुआ है जहां रोजगार और अध्यावसाय के नित नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं. पर्यटन से अच्छा और सुकून भरा अध्यावसाय कोई हो नहीं सकता. इसमें रहस्य है, रोमांच है, आवभगत का सुख है, देश को और देशवासियों को जानने के अवसर हैं तो अच्छा रोजगार भी है. राम-वन-गमन परिपथ के मूर्त रूप लेने पर पर्यटन रोजगार का एक बड़ा क्षेत्र बनकर उभरेगा. इससे प्राकृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950